

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

‘रेलवे स्टेशन पर हर पल एक नई कहानी जन्म लेती है - विदाई की आंसू भरी आंखें, मुलाकात की मुस्कानें, और उम्मीदों से भरे बैग। रेल देश का आईना है - गति, भावना और एकजुटता का प्रतीक’

‘रेल की पटरियाँ न केवल लोहे की रेखाएँ हैं, बल्कि यह भारत की प्रगति की रेखाएँ हैं, जो विकास को दूर-दराज के गाँवों तक पहुँचाती हैं और अवसरों को गति देती हैं’



वर्ष-35 अंक:12 रेल समाचार ब्यूरो प्रयागराज 16-30 जून 2025 पृष्ठ 08 मूल्य:20 रु. मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

चिनाब रेल पुल पर गर्व से लहरा रहा है तिरंगा : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कटरा से जम्मू-कश्मीर को दी विकास योजनाओं की नई सौगात, ₹46,000 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पण

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के कटरा में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान ₹46,000 करोड़ से अधिक लागत वाली कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित किया। यह अवसर न केवल क्षेत्रीय विकास का प्रतीक था, बल्कि भारत की एकता, दृढ़संकल्प और समावेशी प्रगति की भावना को भी दर्शाता है। वीर जोरावर सिंह की पवित्र भूमि को नमन करते हुए प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम को ‘‘भारत की एकता और शक्ति का भव्य उत्सव’’ बताया।

रेल संपर्क : कश्मीर से कन्याकुमारी अब हकीकत

प्रधानमंत्री ने ऐतिहासिक उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेललाइन परियोजना को जम्मू-कश्मीर की नई ताकत और भारत की बढ़ती क्षमताओं का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केवल रेल कनेक्टिविटी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जम्मू-कश्मीर के लोगों की दशकों पुरानी आकांक्षा का साकार रूप है। चिनाब नदी पर बना विश्व का सबसे ऊँचा रेलवे आर्च ब्रिज और भारत का पहला केबल-समर्थित अंजी ब्रिज, दोनों का उद्घाटन कर प्रधानमंत्री ने इन संरचनाओं को न केवल इंजीनियरिंग की अद्भुत उपलब्धि बताया बल्कि उन्हें भारत की महत्वाकांक्षा और क्षमता का प्रमाण भी कहा। उन्होंने गर्व से कहा कि अब ‘कश्मीर से कन्याकुमारी’ तक रेल संपर्क की परिकल्पना हकीकत बन चुकी है। प्रधानमंत्री ने बताया कि इन पुलों और रेल संपर्क से अब घाटी के सेब, सूखे मेवे, पशुमनी और हस्तशिल्प पूरे भारत में आसानी से पहुंच पाएंगे, जिससे स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को भी बड़ा लाभ मिलेगा।

नई वंदे भारत ट्रेनें और चिकित्सा संस्थानों की सौगात

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने जम्मू और कश्मीर के बीच बेहतर संपर्क के लिए वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही, जम्मू में एक नए मेडिकल कॉलेज की आधारशिला रखी गई और श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस की 300 से बढ़ाकर 500 बेड की विस्तार योजना की भी घोषणा की गई। उन्होंने इस संस्थान को भारत की सेवा परंपरा का प्रतीक बताया और कहा कि श्रद्धालुओं को इससे बड़ी राहत मिलेगी।



जन आकांक्षाओं की पूर्ति: सामाजिक व आर्थिक प्रगति

प्रधानमंत्री ने बताया कि जम्मू-कश्मीर की पीढ़ियों ने रेल का सपना देखा था, जो अब पूरा हो चुका है। उन्होंने संगलदान गांव के एक छात्र की मार्मिक बात साझा की कि आज जिन बच्चों ने कभी ट्रेन को सिर्फ वीडियो में देखा था, अब वे अपनी आंखों के सामने से ट्रेन गुजरता देख रहे हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अब मौसम की कठोरता भी लोगों की आवाजाही में बाधा नहीं बनेगी। कनेक्टिविटी के इस नए युग से हर वर्ग को लाभ मिलेगा चाहे वह व्यापारी हो, कारीगर हो या फिर आम नागरिक।

स्वास्थ्य और शिक्षा में ऐतिहासिक बदलाव

प्रधानमंत्री ने पिछले वर्षों में जम्मू-कश्मीर में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में हुए विकास का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि:

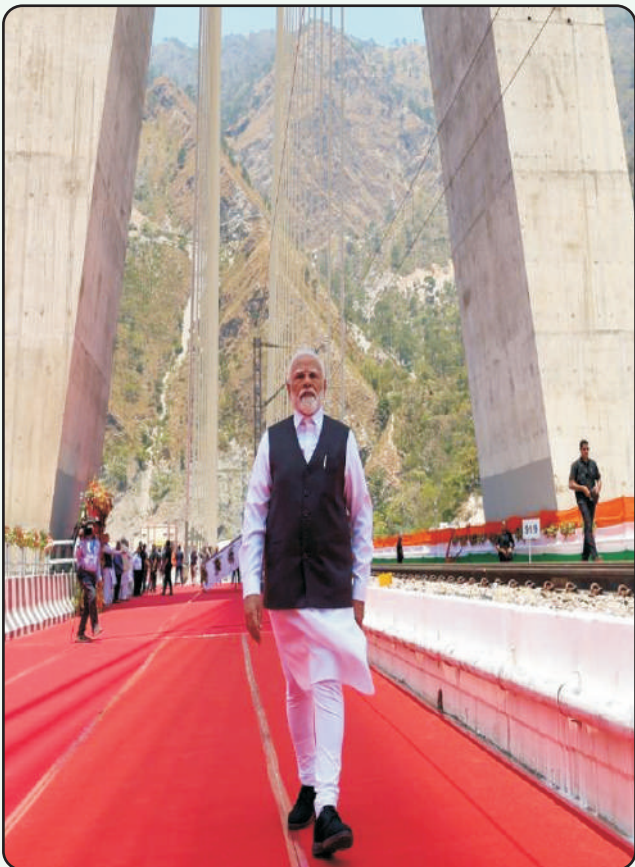
- दो स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट शुरू किए गए हैं।
- 7 नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं।
- डटठै सीटें 500 से बढ़कर 1300 हो गई हैं।
- IIT, IIM, AIIMS, NIT जैसे संस्थानों की उपस्थिति ने जम्मू-कश्मीर को शिक्षा का नया केंद्र बना दिया है।

कल्याणकारी योजनाएं: गरीबी से नव-मध्यम वर्ग की ओर

श्री मोदी ने अपने 11 वर्षों के कार्यकाल को गरीबों और मध्यम वर्ग के उत्थान को समर्पित बताया। उन्होंने उज्ज्वला योजना, पीएम आवास योजना, आयुष्मान भारत, जल जीवन मिशन, पीएम किसान, सौभाग्य योजना, जन धन योजना जैसी प्रमुख योजनाओं के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकलकर नव-मध्यम वर्ग में शामिल हुए हैं, और अब सरकार उन्हें आर्थिक सुरक्षा, अवसर और आत्मनिर्भरता प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

भारत के विकास का मुकुट जम्मू-कश्मीर

प्रधानमंत्री ने अपने उद्बोधन का समापन इस पंक्ति के साथ किया - ‘‘जम्मू और कश्मीर भारत माता का मुकुट है, जो उज्ज्वल रत्नों से सुसज्जित है।’’ उन्होंने इसकी सांस्कृतिक समृद्धि, आध्यात्मिक चेतना, औषधीय जड़ी-बूटियां, अद्भुत परिदृश्य और प्रतिभाशाली युवाओं की प्रशंसा करते हुए, क्षेत्र के सतत विकास के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।



हिमालय की गोद में तकनीक और साहस का अनोखा संगम

उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना



सूत्र/रे.स.ब्यू- उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना स्वतंत्रता के बाद की सबसे चुनौतीपूर्ण परियोजनाओं में से एक है। यह परियोजना इस लिहाज से भी आवश्यक है कि जम्मू-कश्मीर को भारतीय रेल नेटवर्क से जोड़ने हेतु एक वैकल्पिक और विश्वसनीय परिवहन प्रणाली है। राज्य में निर्बाध और सुविधाजनक संपर्क सुनिश्चित करने की दृष्टि से, इस परियोजना को वर्ष 2002 में 'राष्ट्रीय परियोजना' घोषित किया गया। परियोजना का एक भाग-कटड़ा से धरम खंड कि.मी. 30.00 से कि.मी. 72.390 और कि.मी. 91 से कि.मी. 101.635 तक (कुल 52.20 कि.मी.) के कार्यान्वयन हेतु कोंकण रेलवे को सौंपा गया। इसमें कुल 44.59 कि.मी. यानी 85.5% हिस्सा टनलों में, 4.6 कि.मी. यानी 8.8% पुलों पर और शेष 5.7 कि.मी. कटिंग व भराव में है। इसके अतिरिक्त, कोंकण रेलवे ने 172 कि.मी. की परियोजना सड़कों का निर्माण किया, जिनमें 404 मीटर लंबी सड़क सुरंग, 138 मीटर लंबा पुल (चिनाब घाटी पर) और कई अस्थायी बेली ब्रिज शामिल हैं। इस परियोजना का ट्रैक तीन प्रमुख भूगर्भीय थ्रस्ट जोन रियासी थ्रस्ट, मुरी थ्रस्ट और पीर पंजाल थ्रस्ट- से होकर गुजरता है। भूगर्भीक स्थिति बार-बार बदलती है, जिसमें ढीली कंकड़-पत्थर, मिट्टी, सिल्ट स्टोन, दरकी हुई रेत-पत्थर और डोलोमाइट चट्टानें शामिल हैं। यह क्षेत्र भूकंप संभावित क्षेत्र में आता है, जहाँ अत्यधिक तापमान और दुर्गम भूभाग के कारण भूगर्भ का पूरा पूर्वानुमान लगाना अत्यंत कठिन था। इन बदलती परिस्थितियों को देखते हुए डिजाइन में समय-समय पर बदलाव करने पड़े। सुरंगों के स्टेशन यार्ड जैसे चौड़े खंडों का निर्माण एक कठिन कार्य था, जिसके लिए उपयुक्त तकनीकों और मशीनों की मदद ली गई। सुरंगों के पोर्टल, गहरे कटाव, पुलों और पहुँच सड़कों के लिए व्यापक इंजीनियरिंग कार्य किए गए।



परियोजना का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव

पर्यटन को बढ़ावा : परियोजना के पूर्ण होने से देश के किसी भी हिस्से से पर्यटक आसानी से कश्मीर घाटी पहुँच सकेंगे।

शिक्षा के अवसर : राज्य के छात्रों को देशभर में बेहतर शैक्षणिक संस्थानों तक आसान पहुँच मिलेगी।

हट मौसम में संपर्क : यह रेलवे संपर्क जम्मू-कश्मीर को पूरे वर्ष देश के अन्य हिस्सों से जोड़े रखेगा, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों का आर्थिक विकास संभव होगा।

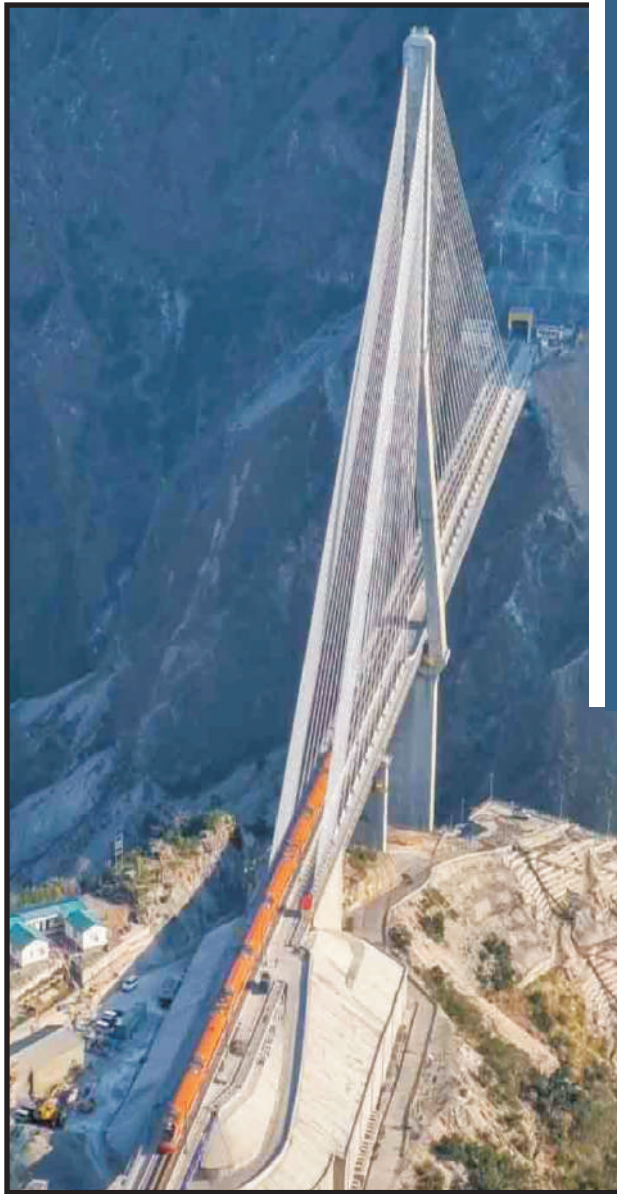
सड़कों द्वारा पहुँच : कार्यस्थलों तक पहुँच के लिए 172 कि.मी. सड़कों का निर्माण किया गया, जिससे कई गाँव मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे।

टनल निर्माण

इस खंड में कुल 16 मुख्य टनल हैं जिनकी लंबाई 44.59 कि.मी. है। इसके अतिरिक्त, सुरक्षा सुरंगें, क्रॉस पैसेज और एडिट्स सहित कुल 25.12 कि.मी. की अतिरिक्त सुरंगें बनाई गई हैं। टनल नं. 42 की लंबाई 9.274 कि.मी. है। सुरंगों के निर्माण में 'न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड (एनएटीएम)' और पारंपरिक तरीकों का उपयोग किया गया है।

चिनाब ब्रिज

यह परियोजना चिनाब नदी पर बनी है और यह सलाल जलविद्युत परियोजना के पास स्थित है। इस कारण चिनाब नदी पर एक मेगा पुल के निर्माण की आवश्यकता पड़ी। चिनाब ब्रिज नदी तल से 359 मीटर ऊँचाई पर स्थित है।



और इसकी मुख्य आर्च की लंबाई 467 मीटर है, जो दुनिया का सबसे ऊँचा रेलवे आर्च ब्रिज है। यह प्रतिष्ठित पुल चिनाब नदी के तल से 359 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है, जो पेरिस के प्रसिद्ध एफिल टावर से 35 मीटर अधिक ऊँचा है। चिनाब ब्रिज की कुल लंबाई 1,315 मीटर है, जिसमें कुल 17 स्पैन लगे हैं। इनमें मुख्य आर्च स्पैन की लंबाई 467 मीटर है, जो चिनाब नदी को पार करता है। वायाडक्ट भाग में सीधा और घुमावदार भाग शामिल हैं। इसका घुमावदार भाग 2.74 डिग्री के तीव्र मोड़ पर है। वायाडक्ट के इस घुमावदार भाग को एंड-ऑन लॉन्विंग तकनीक से लॉन्विंग नोज का उपयोग कर स्थापित किया गया। भारत में पहली बार इस तकनीक का उपयोग घुमाव पर सफलतापूर्वक किया गया है, जिसके लिए यूएसबीआरएल टीम विशेष प्रशंसा की पात्र है। इस वायाडक्ट के सुपर स्ट्रक्चर की फैब्रिकेशन का कार्य साइट पर एक तकनीकी रूप से उन्नत और अत्यधिक कुशल वर्कशॉप की स्थापना कर किया गया। मुख्य आर्च का निर्माण दोनों सिरों से केबल क्रैन की सहायता से किया गया। यह आर्च दो भागों में है- एक अपस्ट्रीम और दूसरा डाउनस्ट्रीम, जिन्हें विंड ब्रेसिंग्स द्वारा जोड़ा गया है। यह आर्च परवलयकार आकार का है और इसका क्राउन नदी तल से 359 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है, जो इसे विश्व का सबसे ऊँचा रेलवे आर्च ब्रिज बनाता है। आर्च की ज्योमेट्री को नियंत्रित करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है।

प्रमुख विशेषताएँ

- दुनिया का सबसे ऊँचा रेलवे आर्च ब्रिज, जो नदी तल से 359 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है।
- केबल क्रैन असेंबली, जिसमें पैलोन सहित 915 मीटर का स्पैन है, दुनिया में सबसे लंबा है। 127 मीटर ऊँचा पैलोन, कुतुब मीनार से 72 मीटर ऊँचा है।
- दुनिया में पहली बार, इस पुल को ब्लास्ट लोड (विस्फोट भार) के लिए डिजाइन किया गया है, जो डीआरडीओ के साथ परामर्श में तैयार किया गया है।
- डिजाइन में अतिरिक्त संरचनात्मक सुरक्षा रखी गई है।
- यदि कोई एक पियर/ट्रेसल हटाया जाए तब भी पुल स्थिर रहेगा।
- पुल ध्वस्त नहीं होगा और 30 कि.मी./घंटा की गति से संचालित रह सकता है।
- पुल मरम्मत योग्य रहेगी।
- देश में पहली बार, 2.74 डिग्री के घुमाव पर स्थित पुल के हिस्से में प्लेट गार्डर को एक सिरे से पुश कर लॉन्च किया गया है। घुमावदार हिस्से की कुल लंबाई 268 मीटर है।
- भारतीय रेल पर पहली बार, पुलों में वेल्डिंग की जाँच के लिए फेज्ड एर अल्ट्रासोनिक टेस्टिंग मशीन का उपयोग किया गया है।
- चिनाब ब्रिज साइट लैब को वेल्डेड एलिमेंट्स की जाँच के लिए नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर लेबोरेटरीज (एएवीएल) द्वारा मान्यता प्राप्त है- यह भारतीय रेल पर पहली बार हुआ है।
- S-40 फाउंडेशन पर 130.855 मीटर ऊँचा स्टील पियर, जो देश का सबसे ऊँचा संरचनात्मक स्टील पियर है।

अंजी ब्रिज

अंजी खड्ड पुल एक केबल-स्टे ब्रिज है, जो कटड़ा और रियासी सेक्शन को उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना में जोड़ता है। यह भारतीय रेल पर निर्मित पहला केबल-स्टे ब्रिज है। अंजी पुल मुख्य रूप से निम्नलिखित भागों से मिलकर बना है। मुख्य पुल, जिसकी लंबाई 473.25 मीटर है (1X290.00मी. + 1X80.00मी. + 1X75.00मी. + 1X28.25मी.), सहायक वायाडक्ट जिसकी लंबाई 120 मीटर है। सेंट्रल एम्बेकमेंट, जो मुख्य पुल और सहायक वायाडक्ट के बीच स्थित है, जिसकी लंबाई 64.25 मीटर है। इस पुल की खास विशेषता इसका मुख्य स्पैन (290 मीटर लंबा) और 193 मीटर ऊँचाई वाला पायलन है, जो वेल कैप के ऊपर है। यह पायलन उत्ते Y आकार में बना है और नदी तल से इसकी ऊँचाई 331 मीटर है। पुल को 96 केबल्स और एकल पायलन द्वारा सहारा दिया गया है जो रियासी छोर पर स्थित है। इस पुल का डिजाइन इटली की परामर्शदाता कंपनी M/s Italferr द्वारा तैयार किया गया है। पुल में एक इंटीग्रेटेड मॉनिटरिंग सिस्टम लगाया गया है, जिसमें विभिन्न स्थानों पर कई सेंसर लगे हैं, जो वास्तविक समय में संरचनात्मक स्वास्थ्य की निगरानी के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण आंकड़े रिकॉर्ड करते हैं। भारी सामग्रियों को स्थानांतरित करने हेतु कोंकण रेलवे (केआरसीएल) ने धमकुंड में रामबन-गूल राज्य मार्ग पर चिनाब नदी पर 138 मीटर लंबा एक सड़क पुल बनाया। यह पुल संगलदान, गूल, महौर, अर्नास, कंथन और रियासी जैसे आसपास के गांवों को जोड़ता है। सड़क मार्ग के कार्य की प्रगति बढ़ाने और अतिरिक्त कार्य मोर्चे उपलब्ध कराने के लिए, 260 मीट्रिक टन से अधिक की मशीनरी जैसे: एक्सकेवेटर, ट्रिक्लिंग जम्बो, रोड रोलर, डोजर, डंपर, शॉटक्रिट मशीन, कंक्रीट मिक्सर, जनरेटर आदि को भारतीय वायु सेना के विश्व के सबसे बड़े मालवाहक हेलीकॉप्टर एमआई-26 द्वारा 21 बार उड़ान भरकर स्थानांतरित किया गया। इसके लिए सुरुकोट गांव में एक हेलीपैड का निर्माण केवल हाथ के औजारों से मैनुअल रूप से किया गया, क्योंकि वहाँ तक कोई वाहन पहुँच नहीं सकता था। कोंकण रेलवे हमेशा राष्ट्र की प्रगति और विकास में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

संतोष कुमार झा

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड



विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर भारतीय रेल ने चलाया जागरूकता अभियान।

- 1200 स्टेशनों और 740 से अधिक वर्कशॉप पर चला अभियान
- अभियान में लगभग 150 टन प्लास्टिक कचरे का हुआ निपटान
- रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ली पर्यावरण संरक्षण की शपथ

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विशेष आयोजन करते हुए 22 मई से 5 जून तक पंद्रह दिवसीय विशेष अभियान चलाया। इस वर्ष की थीम “प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें” के अंतर्गत भारतीय रेल के सभी जोन, मंडल, स्टेशन और कार्यालयों में जन-जागरूकता की विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस अभियान में रेलवे कर्मचारियों, यात्रियों, आम नागरिकों और अन्य साझेदारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्लास्टिक कचरे का आकलन, कचरे को अलग-अलग प्रकारों में छांटना, प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों की स्थिति की समीक्षा, स्वच्छता एवं जल संरक्षण के प्रयास, तथा प्लास्टिक उपयोग में कमी हेतु जागरूकता प्रसार जैसे कदम शामिल थे। दिनांक 5 जून को पर्यावरण संरक्षण को लेकर संकल्प दिलाया गया, जिसमें प्लास्टिक उपयोग में बदलाव, स्वच्छता और ऊर्जा बचत जैसे विषयों पर जोर दिया गया। रेलवे बोर्ड में यह संकल्प सदस्य (ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक) द्वारा दिलाया गया, जिसमें अन्य बोर्ड सदस्य और जोनल रेलवे के महाप्रबंधक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। इस अवसर पर रेलवे की वार्षिक पर्यावरण सततता रिपोर्ट भी जारी की गई। पूरे अभियान में लगभग 150 टन प्लास्टिक कचरे का सुरक्षित निपटान किया

गया, 1230 से अधिक स्टेशनों पर पोस्टर व डिजिटल माध्यमों से जागरूकता फैलाई गई, 740 से अधिक कार्यशालाएं आयोजित की गईं, 1200 स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया, 180 से अधिक प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई और 230 नुकड़ नाटकों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर जन-जागरूकता को बल मिला। भारतीय रेल पर्यावरणीय स्थायित्व को लेकर निरंतर प्रतिबद्ध है। वर्ष 2025-26 के लिए 750 करोड़ रुपये की एक समग्र योजना को स्वीकृति दी गई है जो पर्यावरण से जुड़ी गतिविधियों को समर्पित है। अब तक 98% ब्रॉड गेज मार्गों का विद्युतीकरण किया जा चुका है। 3512 स्टेशनों एवं सेवा भवनों पर सौर रूफटॉप की स्थापना के माध्यम से लगभग 227 मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता सृजित की गई है। सभी रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में 100% एलईडी लाइट्स की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त, हाइड्रोजन ईंधन आधारित ट्रेनों के विकास, 2014 से अब तक 9.7 करोड़ पौधारोपण, और यात्री कोचों में 100% बायो-टॉयलेट्स की स्थापना जैसे कदमों के जरिए रेलवे ने पर्यावरण की दिशा में ठोस पहल की है। भारतीय रेल अपनी पर्यावरणीय जिम्मेदारी को समाहित करते हुए, भविष्य में भी एक हरित और स्वच्छ परिवहन प्रणाली के निर्माण हेतु कृतसंकल्पित है।

लेख

रेल यात्रा करते हुए रखें विशेष ध्यान

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में रेल यात्रा केवल एक आवागमन का साधन नहीं, बल्कि जीवन का अनुभव है। यह यात्रा न केवल स्थानों को जोड़ती है, बल्कि संस्कृति, भाषा, और भावनाओं को भी एक सूत्र में पिरोती है। किंतु सुखद और सुरक्षित रेल यात्रा के लिए कुछ आवश्यक सावधानियों का पालन करना हम सभी यात्रियों का नैतिक और व्यावहारिक उत्तरदायित्व है। सबसे पहले, टिकट की वैधता सुनिश्चित करें। यात्रा से पूर्व आरक्षित टिकट की स्थिति की जांच अवश्य करें और अनावश्यक विवाद या परेशानी से बचने के लिए हमेशा अपना पहचान पत्र साथ रखें। प्लेटफॉर्म पर पहुंचते ही ट्रेन की सूचना पट्टिका और उद्घोषणाओं पर ध्यान दें, ताकि गाड़ी छूटने या गलत डिब्बे में चढ़ने की आशंका न रहे। रेलयात्रा के दौरान स्वच्छता अत्यंत महत्वपूर्ण है। अपने आस-पास साफ-सफाई बनाए रखें। उपयोग किए गए खाद्य पदार्थों के पैकेट, बोतलें या अन्य कचरे को निर्धारित डस्टबिन में ही डालें। शौचालय का उचित प्रयोग करें और पानी की बर्बादी न करें। एक जागरूक यात्री ही स्वच्छ भारत अभियान को गति दे सकता है। यात्रा के दौरान सुरक्षा का ध्यान भी नितांत आवश्यक है। अजनबी व्यक्तियों से अत्यधिक मेलजोल या खानपान से परहेज करें। अपने सामान पर निरंतर दृष्टि बनाए रखें और महत्वपूर्ण वस्तुएं जैसे मोबाइल, पर्स, गहने इत्यादि को सुरक्षित रखें। रात की यात्रा में दरवाजे ठीक से बंद कर लें और सतर्क रहें। संदेहास्पद गतिविधि दिखाई देने पर तुरंत रेलवे सुरक्षा बल या नजदीकी रेलकर्मियों को सूचित करें। खासकर लंबी यात्राओं में समय और धैर्य की आवश्यकता होती है। अपने सहयात्रियों के साथ विनम्रता से पेश आएँ। ऊँचे स्वर में बात करना, मोबाइल पर तेज आवाज में वीडियो देखना या गाने सुनना, दूसरों की यात्रा को कष्टप्रद बना सकता है। शिष्टाचार और संवेदनशीलता का पालन करते हुए रेल यात्रा को एक सुखद अनुभव में बदला जा सकता है। खाद्य सामग्री का चयन करते समय ताजगी और स्वच्छता का ध्यान रखें। यदि संभव हो तो घर से बना भोजन या विश्वसनीय विक्रेताओं से ही सामान लें। पानी के लिए सीलबंद बोतलें लें या अपनी बोतल साथ रखें। अंततः यह याद रखें कि रेल हमारी साझा धरोहर है। इसका संरक्षण, सम्मान और स्वच्छता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। रेल यात्रा तभी सार्थक और स्मरणीय बनती है, जब उसमें अनुशासन, सावधानी, और सौहार्द का समावेश हो। तो अगली बार जब भी आप रेल की सीटी सुनें, तैयार रहें, न केवल अपने गंतव्य के लिए, बल्कि एक जिम्मेदार यात्री बनने के लिए भी।

राजेश मिश्रा

अपर महाप्रबंधक/यांत्रिक/उप मुराधि
इरकोंन इंटरनेशनल लिमिटेड
साकेत, नई दिल्ली

चिनाब पुल ने दिलों को भी जोड़ा है: टी. जी. सीथाराम

सूत्र/रे.स.ब्यू- दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुल चिनाब ब्रिज के निर्माण में प्रारंभ से ही जुड़े रहे आल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन के अध्यक्ष प्रोफेसर टी. जी. सीथाराम ने जम्मू को कश्मीर से जोड़ने वाली इस पूरी परियोजना को अति विशिष्ट बताते हुए कहा कि चिनाब ब्रिज विश्व का एक नया अजूबा है, जिसका निर्माण भारतीय इंजीनियरों ने किया है। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर को हर मौसम में जोड़ने के लिए तैयार किए गए इस पुल ने दिलों को भी जोड़ा है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में देश के हर नागरिक की इसमें जबरदस्त भूमिका है। इंजीनियरिंग की मिसाल इस ब्रिज का सपना साकार करने में हजारों इंजीनियरों और श्रमिकों ने महती भूमिका अदा की है। चिनाब ब्रिज के निर्माण की अद्वितीय यात्रा को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि “2005 में जब पहली बार मैंने चिनाब घाटी में कदम रखा, तब मुझे अंदाजा नहीं था कि मैं इतिहास के निर्माण का हिस्सा हूँ। वहां की भौगोलिक स्थिति अत्यंत कठिन थी, जमीन अस्थिर थी और अपेक्षाएं बहुत ऊँची। फिर भी हमारा विजन स्पष्ट था कि हम केवल इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं, राष्ट्रीय गौरव का निर्माण करने वाले हैं।” कश्मीर की पर्याय चिनाब नदी के ऊपर 359 मीटर की ऊंचाई पर बने इस पुल को “विज्ञान, आत्मा और राष्ट्रीय चेतना



की यात्रा” बताते हुए उन्होंने कहा कि लगभग 20 वर्षों की इस प्रक्रिया में हजारों इंजीनियरों, श्रमिकों और वैज्ञानिकों का समर्पण समाहित है। उन्होंने भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc) की टीम के साथ पुल के निर्माण में अपनाए गए लचीले दृष्टिकोण पर भी प्रकाश डाला, जिसमें रीयल टाइम फीडबैक, एडवांस सिमुलेशन और समावेशी तकनीक का बेहतर इस्तेमाल शामिल था, ताकि भौगोलिक अस्थिरता और दुर्गम इलाकों की चुनौती पर फतह हासिल की

जा सके। प्रो. सीथाराम ने कहा कि “हर कील, हर नींव और सपोर्ट केवल तकनीकी नहीं, बल्कि विश्वास का निर्माण था। इंजीनियरिंग सिर्फ प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं है। चिनाब ब्रिज इस बात का जीवंत प्रमाण है कि समर्पण, विज्ञान और राष्ट्र के प्रति प्रेम से असंभव भी संभव बन जाता है। अगर हम चिनाब पर पुल बना सकते हैं तो युवा भारत किसी भी ऊंचाई को छू सकता है।”

भारत ने एआई-नेटिव टेलीकॉम नेटवर्क की प्रगति के लिए आईटीयू एफजी-एआईएनएन बैठक की मेजबानी की

सूत्र/रे.स.ब्यू- दूरसंचार नेटवर्क में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के एकीकरण की संभावनाओं को तलाशने के लिए चल रहे प्रयासों के तहत, नई दिल्ली में दूरसंचार नेटवर्क के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एफजी-एआईएनएन) पर अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू-टी) फोकस समूह की तीसरी बैठक का उद्घाटन किया गया। यह आईटीयू कार्यक्रम दूरसंचार विभाग (डीओटी) की तकनीकी शाखा, दूरसंचार इंजीनियरिंग केन्द्र (टीईसी) द्वारा आयोजित किया गया। तीन दिवसीय कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए, श्री संजीव बिदवई, सदस्य (टी), डीसीसी ने इस बात पर जोर दिया कि एआई-नेटिव नेटवर्क (एआईएनएन) दूरसंचार डिजाइन में एक मौलिक बदलाव का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने थर्ड जनरेशन पार्टनरशिप प्रोजेक्ट (3जीपीपी) मानकों में एआई की बढ़ती भूमिका का उल्लेख किया, जो पूरे डोमेन में बुद्धिमान आयोजन को संक्षम बनाता है। श्री बिदवई ने इस क्षेत्र में भारत के चल रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला, जिसमें ‘भारत जेन’ जैसी राष्ट्रीय पहल शामिल है - भारत का पहला स्वदेशी रूप से विकसित, सरकार द्वारा वित्त पोषित, भारतीय भाषाओं के लिए एआई-आधारित मल्टीमॉडल लैंग्वेज मॉडल (एएलएएम), साथ ही एआई-आधारित नेटवर्क ऑटोमेशन और डिजिटल टिवन्स में आईआईटी और सीडॉट द्वारा संचालित अन्य परियोजनाएँ। उन्होंने एआई को नैतिक, समावेशी और सुरक्षित तरीके से तैनात करने के महत्व पर भी जोर दिया, जिसमें व्याख्यात्मकता, डिजिटल संप्रभुता और नियामक ढांचे के विकास की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। एक वीडियो संबोधन में, आईटीयू के दूरसंचार मानकीकरण ब्यूरो के निदेशक श्री सेजो ओनो ने बुद्धिमान स्वचालन, स्व-प्रबंधन और वास्तविक समय अनुकूलन के माध्यम से अगली पीढ़ी के प्रदर्शन को सौंपने के लिए एआई-नेटिव नेटवर्क की संभावना पर जोर दिया। एशिया-प्रशांत के लिए आईटीयू क्षेत्रीय निदेशक सुश्री अत्सुओ ओकुडा ने डिजिटल नवाचार केन्द्र के रूप में क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्मार्ट, सुरक्षित और उत्तरदायी संचार प्रणालियों के निर्माण के लिए एआई-नेटिव नेटवर्क आवश्यक हैं। उन्होंने डिजिटल डिवाइड को पाटने और स्मार्ट शहरों, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा में उभरते उपयोग के मामलों को शक्ति प्रदान करने के लिए सहयोगी ढांचे की आवश्यकता की तरफ ध्यान आकर्षित किया। आयोजन के दौरान, भारत ने आईटीयू पूर्णाधिकारी सम्मेलन 2030 (पीपी-30) की मेजबानी के लिए अपनी बोली, आगामी आईटीयू परिषद (2027-2031) में निरंतर सदस्यता और आईटीयू रेडियो संचार ब्यूरो (2027-30) के निदेशक के लिए पहली महिला और पहली क्षेत्रीय उम्मीदवार के रूप में भारतीय उम्मीदवार सुश्री एम. रेवती के लिए आईटीयू सदस्यों से समर्थन मांगा। इस कार्यक्रम में डीबीएन के प्रशासक श्री

नीरज वर्मा, दूरसंचार विभाग के सदस्य (नामजद) श्री रुद्र नारायण पलई, दूरसंचार विभाग के सदस्य (नामजद) श्री देब कुमार चक्रवर्ती, सलाहकार (प्रौद्योगिकी) श्री शुभेन्दु तिवारी, सी-डॉट के सीईओ डॉ. राजकुमार उपाध्याय, टीईसी की वरिष्ठ डीडीजी सुश्री तुप्ति सक्सेना और दूरसंचार विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षाविद, प्रौद्योगिकीविद और भारत तथा विदेश के उद्योग प्रतिनिधि शामिल हुए। यह आयोजन एआई-नेटिव दूरसंचार नेटवर्क के भविष्य को आकार देने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसमें वैश्विक संचार परिदृश्य में क्रांति लाने की क्षमता है। जैसे-जैसे एआई विकसित होता रहेगा, फोकस ग्रुप द्वारा किया गया कार्य अधिक बुद्धिमान, अनुकूल और कुशल नेटवर्क के लिए आधार तैयार करने में सहायक होगा।

फोकस ग्रुप एआई-नेटिव नेटवर्क के बारे में

जुलाई 2024 में आईटीयू-टी स्टडी ग्रुप 13 द्वारा स्थापित, टेलीकम्युनिकेशन नेटवर्क के लिए एआई-नेटिव पर फोकस ग्रुप (एफजी-एआईएनएन) का उद्देश्य एआई की क्षमता का पूरी तरह से दोहन करने के लिए नेटवर्क आर्किटेक्चर में आवश्यक मूलभूत परिवर्तनों की खोज और परिभाषा करना है। समूह का लक्ष्य एआई प्रौद्योगिकियों का पूरी तरह से लाभ उठाने के लिए डिजाइन में आवश्यक परिवर्तनों को समझना है, जिसमें वैश्विक संचार में एआई-नेटिव नेटवर्क द्वारा लाई जाने वाली अनूठी चुनौतियों और अवसरों पर जोर दिया गया है। एफजी-एआईएनएन मीटिंग और बिल्ड-ए-थॉन (11-13 जून, 2025) के सत्रों में भविष्य के संचार नेटवर्क में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के एप्लीकेशन पर केन्द्रित अत्याधुनिक विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल किया जाएगा। मुख्य विषयों में दूरसंचार के लिए फेडरेटेड लर्निंग, अगली पीढ़ी के वायरलेस सिस्टम के लिए एआई/एमएल मॉडल, 6जी उपयोग मामलों में एआई, स्वायत्त एआई एजेंट और चेहरे की पहचान-आधारित सिम सत्यापन शामिल हैं। विशेषज्ञ वार्ता के अलावा, इस कार्यक्रम में तकनीकी समीक्षा सत्र, इंटरैक्टिव चर्चाएँ और व्यावहारिक एआई-संचालित समाधान विकसित करने के उद्देश्य से सहयोगी बिल्ड-ए-थॉन गतिविधियाँ शामिल हैं। अपेक्षित परिणाम अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना, एआई-नेटिव नेटवर्क अनुसंधान को आगे बढ़ाना और बुद्धिमान दूरसंचार प्रणालियों में भविष्य के मानकों को आकार देना है। एफजी-एआईएनएन बिल्ड-ए-थॉन 2025, एक क्राउडसोर्सड कोडिंग इवेंट 13 जून, 2025 के लिए निर्धारित है। यह पहल शिक्षाविदों, उद्योग और स्टार्टअप्स के विशेषज्ञों को संवादात्मक परामर्श और सहयोगी सत्रों के माध्यम से एआई-नेटिव अवधारणाओं के व्यावहारिक प्रदर्शनों का सह-निर्माण करने के लिए एक साथ लाएगी।



भारत मंडपम में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस 2025: ‘एक देश, एक मिशन - बंद करें प्लास्टिक प्रदूषण’ का संदेश

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2025 का आयोजन नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में किया गया। कार्यक्रम की विषयवस्तु थी ‘एक देश, एक मिशन: बंद करें प्लास्टिक प्रदूषण’, जिसका उद्देश्य प्लास्टिक प्रदूषण के प्रति जन-जागरूकता और समग्र प्रयासों को बढ़ावा देना रहा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रसारित वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखना भारत की संस्कृति का हिस्सा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारत ने वैश्विक चिंता बनने से पहले ही प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ सक्रिय कदम उठाने शुरू कर दिए थे। इस आयोजन में केंद्रीय मंत्रीगण, राज्य सरकारों के प्रतिनिधि, नागरिक समाज, उद्योग क्षेत्र, छात्रगण और विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारी शामिल हुए। सभी ने ‘संपूर्ण सरकार’ और ‘संपूर्ण समाज’ की अवधारणा के तहत सहभागिता निभाई। अपने संबोधन में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने दिल्ली में वाहनों से होने वाले वायु प्रदूषण को प्रमुख समस्या बताया और विद्युत चालित बसों को समाधान के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने यमुना नदी की सफाई हेतु राज्यों के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर भी

बल दिया। मंत्री ने प्लास्टिक कचरे के उचित प्रबंधन, पुनः प्रयोग, और नवाचार तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने नागरिकों से 120 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक थैलों और एकल-प्रयोग प्लास्टिक से बचने का आग्रह किया।

कार्यक्रम के दौरान दो प्रमुख प्रकाशनों का विमोचन किया गया।

- प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करने हेतु सरकारी पहल’, जिसमें सरकार के प्रयासों को दर्शाया गया।
- प्रतिबंधित एकल-प्रयोग प्लास्टिक के पर्यावरण अनुकूल विकल्पों का संग्रह’, जिसमें देश भर में उपलब्ध विकल्पों को संकलित किया गया।

राष्ट्रीय प्लास्टिक कचरा रिपोर्टिंग पोर्टल का शुभारंभ भी किया गया, जो ऑनलाइन रिपोर्टिंग के माध्यम से प्लास्टिक कचरा प्रबंधन में पारदर्शिता और निगरानी को बढ़ाएगा। इस अवसर पर ‘विचार जीवन के लिए’ प्रतियोगिता के 21 विजेताओं को सम्मानित किया गया। पूरे देश में एक महीने तक चले पूर्व-प्रचार के अंतर्गत लगभग 69,000 कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें 21 लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया। इस दिन राष्ट्रीय प्लास्टिक प्रदूषण

न्यूनीकरण अभियान की शुरुआत भी की गई, जिसमें स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम, प्लास्टिक विकल्पों पर नवाचार प्रतियोगिता, कविता व नारा लेखन, नुकड़ नाटक जैसी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। एकल प्रयोग प्लास्टिक के विकल्पों को प्रदर्शित करने हेतु एक राष्ट्रीय प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें 150 नवप्रवर्तनकारी संस्थाएँ, पुनः उपयोगकर्ता इकाइयाँ और स्थानीय निकायों ने भाग लिया। इस प्रदर्शनी में ‘मिशन जीवनशैली’ हेतु एक विशेष मंडप भी लगाया गया था। वहीं, छात्रों की चित्रकला प्रतियोगिता की चयनित प्रविष्टियाँ भी प्रदर्शित की गईं। अंत में, तीन तकनीकी सत्रों में स्थानीय निकायों की भूमिका, नवाचार आधारित पहल, और विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी (ईपीआर) के तहत प्लास्टिक पैकेजिंग के पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण पर विस्तृत चर्चा की गई। यह कार्यक्रम न केवल प्लास्टिक प्रदूषण के प्रति एकजुट प्रयासों का प्रतीक रहा, बल्कि ‘मिशन जीवनशैली’ के सिद्धांतों को व्यवहार में लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी साबित हुआ।



भारतीय रेलवे ने अनधिकृत स्वचालित बुकिंग पर नकेल कसी, बुकिंग वेबसाइट पर वास्तविक उपयोगकर्ताओं की पहुंच को बढ़ावा दिया

एआई-संचालित बॉट शमन ने वास्तविक टिकट बुकिंग को बढ़ाया, 2.5 करोड़ संदिग्ध उपयोगकर्ता आईडी निष्क्रिय की गई

22 मई, 2025 को एक मिनट में 31,814 टिकट बुक किए गए, जो टिकट बुकिंग में एक रिकॉर्ड उपलब्धि है

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे ने पारदर्शिता, सुरक्षा और उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, अपने टिकटिंग बुनियादी ढांचे में व्यापक डिजिटल बदलाव किया है। अत्याधुनिक एंटी-बीओटी सिस्टम के इस्तेमाल और एक प्रमुख कंटेंट डिलीवरी नेटवर्क (सीडीएन) सेवा प्रदाता के साथ एकीकरण के माध्यम से, रेलवे ने अनधिकृत स्वचालित बुकिंग पर काफी हद तक अंकुश लगाकर वास्तविक उपयोगकर्ताओं के लिए वेबसाइट की पहुंच में सुधार किया है। नए सिस्टम ने सभी बॉट ट्रैफिक को प्रभावी रूप से कम कर दिया है, जो तत्काल योजना के पहले पांच मिनट के दौरान चरम पर होता है। इस अवधि के दौरान कुल लॉगिन प्रयासों में बॉट ट्रैफिक का हिस्सा 50 प्रतिशत तक होता है। यह वृद्धि वास्तविक उपयोगकर्ताओं के लिए बेहतर पहुंच सुनिश्चित करती है। इसका परिणाम यह हुआ कि टिकट बुकिंग के लिए 2.5 करोड़ संदिग्ध उपयोगकर्ता आईडी निष्क्रिय कर दी गई हैं। 22 मई, 2025 को एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की गई, जिसमें 31,814 टिकटों की प्रति मिनट सबसे अधिक बुकिंग हुई, जो इस उन्नत प्लेटफॉर्म की मजबूती और मापनीयता को दर्शाता है। निष्पक्षता और दक्षता को और बढ़ाने के लिए, नए उपयोगकर्ता प्रोटोकॉल पेश किए गए हैं। आधार के माध्यम से प्रमाणित नहीं होने वाले उपयोगकर्ता पंजीकरण के 3 दिन बाद ही ओपनिंग एआरपी, तत्काल या प्रीमियम तत्काल टिकट बुक कर सकते हैं, जबकि आधार-सत्यापित उपयोगकर्ता बिना देरी के टिकट बुक कर सकते हैं। इन प्रयासों से जबर्दस्त सुधार हुए हैं। औसत दैनिक उपयोगकर्ता लॉगिन वित्त वर्ष 2023-24 में 69.08 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 82.57 लाख हो गया, जो 19.53 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है। इसी अवधि में औसत दैनिक टिकट बुकिंग में 11.85 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त, ई-टिकटिंग अब कुल आरक्षित टिकट बुकिंग का 86.38 प्रतिशत हिस्सा है।

टिकट बुकिंग प्रणाली में किए गए सुधार इस प्रकार हैं:

- 87 प्रतिशत सामग्री को तेज लोड समय और कम सर्वर लोड के लिए सीडीएन के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है।
- परिष्कृत एआई एल्गोरिदम का उपयोग करके बॉट ट्रैफिक का सक्रिय पता लगाना और उसे कम करना।
- संदिग्ध उपयोगकर्ता आईडी को सक्रिय रूप से निष्क्रिय करना और साइबर अपराध पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज करना।

महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे सुश्री सौम्या माथुर द्वारा गोरखपुर-पनियहवां रेल खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण।

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे सुश्री सौम्या माथुर ने 09 जून, 2025 को गोरखपुर पनियहवां रेल खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण कर इस खंड पर दोहरीकरण से संबंधित कार्यों की प्रगति, प्री-मानसून प्रिक्वांशन, सुरक्षित एवं संरक्षित रेल संचालन संबंधी विषयों पर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही, सिग्नल की दृश्यता को दुरुस्त बनाए रखने का भी निर्देश दिया। विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक सुश्री सौम्या माथुर ने इस खंड पर संरक्षा के साथ-साथ दोहरीकरण के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों- जैसे स्टेशनों पर पैदल उपरगामी पुलों का निर्माण, दूसरी लाइन के फॉर्मेशन हेतु मिट्टी के कार्य, दोहरीकरण हेतु पुलों का निर्माण, स्टेशनों पर दूसरे/तीसरे प्लेटफॉर्म और यात्री

सुविधाओं के विकास की कार्य योजनाओं का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में सुश्री सौम्या माथुर परख निरीक्षण यान से विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए अपराह्न पनियहवां स्टेशन पहुँचीं। पनियहवां वाल्मीकि नगर के मध्य पड़ने वाली नारायणी नदी पर दोहरीकरण के अंतर्गत पुल निर्माण की योजना की जानकारी ली। इस अवसर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) श्री अभय कुमार गुप्ता, प्रमुख मुख्य इंजीनियर श्री नीलमणि, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री अनुप कुमार सतपथी, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर श्री संजय सिंघल, एवं मंडल रेल प्रबंधक/वाराणसी श्री विनीत कुमार श्रीवास्तव समेत मंडल के वरिष्ठ रेल अधिकारी उपस्थित थे।

महाप्रबंधक ने सिहोरा रोड स्टेशन पर संरक्षा एवं यात्री सुविधाओं का किया निरीक्षण।

सूत्र/रे.स.ब्यू- पश्चिम मध्य रेलवे की महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय ने जबलपुर-कटनी रेलखंड स्थित सिहोरा रोड रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे पुनर्विकास कार्यों, संरक्षा, यात्री सुविधाओं और अधोसंरचनात्मक निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक के साथ मंडल रेल प्रबंधक जबलपुर श्री कमल कुमार तलरेजा, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री कुशल सिंह, प्रमुख मुख्य इंजीनियर श्री आशुतोष, प्रमुख मुख्य इलेक्ट्रिकल इंजीनियर श्री मुकेश, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री आनंद कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सिहोरा रोड स्टेशन का पुनर्विकास कार्य ₹25.62 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। निरीक्षण में स्टेशन का रेल पथ, ओएचई, सिग्नल

प्रणाली, सीसीटीवी कैमरे, पैनल रूम, आरपीएफ थाना, यात्री प्रतीक्षालय, लिफ्ट, दिव्यांगजनों की सुविधाएं, बुकिंग काउंटर, सर्कुलेटिंग एरिया, स्टेशन बिल्डिंग और नई लिफ्ट की गुणवत्ता की जांच की गई। महाप्रबंधक ने स्टेशन ले-आउट और 12 मीटर फुट ओवर ब्रिज की योजना का भी अवलोकन किया और अमृत भारत स्टेशन योजना के फेस-2 के कार्यों की रूपरेखा पर विशेष ध्यान देने को कहा। ड्रेनेज व्यवस्था में सुधार के निर्देश भी दिए गए। सुरक्षा की दृष्टि से पैनल रूम, पॉइंट्समेन, स्टेशन मास्टर और सिग्नल स्टाफ से संवाद कर जरूरी निर्देश दिए। एलएचएस (लाइट हाइट सबवे) निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया गया। रेलवे अमृत भारत योजना के तहत पुनर्विकास कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने हेतु प्रतिबद्ध है।

दो नए वंदे भारत एक्सप्रेस के परिचालन का फैसला, जम्मू तवी-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन सप्ताह में 6 दिन किया जाएगा

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेल द्वारा उधमपुर बनिहाल श्रीनगर रेलखंड पर दो नए वंदे भारत एक्सप्रेस के परिचालन का फैसला किया गया है, जिसकी अधिसूचना जारी कर दी गई है। गाड़ी संख्या 26401 जम्मू तवी-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन सप्ताह में 6 दिन किया जाएगा। यह गाड़ी प्रतिदिन सुबह 8:10 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटरा से खुलेगी और 9:58 बजे बनिहाल पहुंचेगी। 11:10 बजे इसका समय श्रीनगर स्टेशन पर है। गाड़ी संख्या 26403 सप्ताह में 6 दिन 14:55 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटरा से खुलेगी और बनिहाल होते हुए शाम में 18:00 बजे श्रीनगर पहुंचेगी। श्रीनगर से प्रतिदिन दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन होगा। गाड़ी संख्या 26404 श्रीनगर जम्मू तवी वंदे भारत एक्सप्रेस बुधवार को छोड़कर सप्ताह में 6 दिन सुबह 8:00 बजे श्रीनगर स्टेशन से खुलेगी और 9:02 बजे बनिहाल पहुंचेगी। यह गाड़ी 11:05 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटरा पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 26402 मंगलवार को छोड़कर प्रतिदिन दोपहर 14:00 बजे श्रीनगर स्टेशन से खुलेगी और 15:10 बजे बनिहाल तथा 17:05 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटरा पहुंचेगी। इन सभी गाड़ियों में एसी चेयर कार और



एग्जीक्यूटिव क्लास के कोच लगाए गए हैं। श्रीनगर और श्री माता वैष्णो देवी कटरा के बीच का सभी शुल्कों सहित किराया चेयर कार श्रेणी में ₹715 और एग्जीक्यूटिव क्लास में ₹1320 निर्धारित किया गया है।

पहली जुलाई से आईआरसीटीसी की वेबसाइट और ऐप पर केवल आधार सत्यापित उपयोगकर्ता ही तत्काल टिकट बुक कर सकते हैं।

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे ने यात्रियों को तत्काल टिकट निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से सुलभ कराने और उनके हितों की रक्षा के लिए तत्काल टिकट बुकिंग प्रणाली में महत्वपूर्ण संशोधनों की घोषणा की है। इन संशोधनों का उद्देश्य उपयोगकर्ता सत्यापन को सशक्त बनाना और तत्काल योजना के दुरुपयोग को रोकना है। रेलवे के इस कदम से उन यात्रियों को फायदा मिलेगा जो वास्तविक जरूरत में होते हैं और अंतिम समय में यात्रा की योजना बनाते हैं। नई प्रणाली के तहत केवल प्रमाणित उपयोगकर्ता ही तत्काल टिकट बुक कर सकेंगे, जिससे दलालों और अवैध माध्यमों से टिकट बुक करने वालों पर अंकुश लगाया जा सकेगा। यह पहल रेलवे की यात्री हितैषी नीतियों और डिजिटल सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नए प्रावधान में निम्नलिखित व्यवस्था की गई है:

ऑनलाइन तत्काल बुकिंग के लिए आधार सत्यापन:

1 जुलाई 2025 से, भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की आधिकारिक वेबसाइट और मोबाइल ऐप द्वारा तत्काल टिकट बुकिंग केवल आधार सत्यापित उपयोगकर्ताओं के लिए ही उपलब्ध होंगे। इसके अलावा, 15 जुलाई 2025 से ऑनलाइन तत्काल बुकिंग के लिए आधार ओटीपी सत्यापन अनिवार्य हो जाएगा।

यात्री आरक्षण प्रणाली काउंटर (पीआरएस काउंटर) और एजेंटों द्वारा बुकिंग में सिस्टम-आधारित ओटीपी सत्यापन:

कम्प्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटरों और अधिकृत एजेंटों के माध्यम से तत्काल टिकटों की बुकिंग के दौरान उपयोगकर्ता के मोबाइल नंबर पर ओटीपी सत्यापन की आवश्यकता होगी। यह प्रावधान भी 15 जुलाई 2025 से लागू होगा।

महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने किया आरा स्टेशन का निरीक्षण, आरा कोचिंग डिपो में स्मार्ट कोच का अवलोकन एवं दानापुर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में नवीनीकृत सम्मेलन कक्ष एवं मंडल रेल हॉस्पिटल दानापुर में अल्ट्रासाउंड एवं एक्स-रे मशीन का उद्घाटन।

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 30.05.2025 को पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह के द्वारा आरा स्टेशन का निरीक्षण किया गया तथा आरा कोचिंग डिपो में एआई तकनीक पर आधारित स्मार्ट कोच का अवलोकन किया गया। भारतीय रेल हमेशा आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए नए जमाने के साथ कदम से कदम मिलाकर चलती है। इसी कड़ी में एआई तकनीक पर आधारित सेंसर के माध्यम से एक स्मार्ट कोच का निर्माण किया गया है

जिसमें ऐसे सेंसर लगे हुए हैं जो कोच में कई तरह की सुरक्षा पहलुओं को वेरीफाई करता है तथा कमी का पता लगाकर उसे अविर्लंब ठीक करने हेतु लाईव सूचना देता है। इन सेंसर के द्वारा कोच में पानी की कमी का पता लगाया जा सकता है। ट्रेनों में कोच के हॉट एक्सेल की पहचान करके इसका तुरंत निवारण किया जा सकता है। ट्रेन के कोच में बाथरूम के बुरे स्मेल को देखते हुए उसका निदान किया जा सकता है। एसीपी यानी अलार्म चेन पुलिंग के

केस में भी सेंसर के द्वारा यह बता दिया जाएगा कि किस कोच में एसीपी की गई है जिससे जांच की व्यवस्था में लगने वाले समय में कमी आएगी। इसी के साथ महाप्रबंधक महोदय ने दानापुर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में नवीनीत सम्मेलन कक्ष का एवं मंडल रेल अस्पताल में नए अल्ट्रासाउंड मशीन एवं एक्सरे मशीन का उद्घाटन किया।

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशि:

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्म/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव

पंजीकृत कार्यालय

502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।

कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिपोर्टर) कार्यालय 8439 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी

ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव दि.

इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि.

329/255 चक, जीरो रोड

इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502

पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर,

कीडगंज प्रयागराज-211003

से प्रकाशित।

आर.एन. आई नं. 51097-90

पोस्ट ए.डी.-8

मो. 9773946044 / 9793956044

फोन नं. 0532-2418040



Scan the Code for the Latest Verified
RAILWAYS NEWS ON OUR WEBSITE OR E-PAPER

हमारी वेबसाइट या ई-पेपर पर भारतीय रेलवे के सत्यापित समाचार को पढ़ने के लिए कोड को स्कैन करें

SCAN QR

www.railsamacharbureauald.com

कैबिनेट ने झारखंड, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के सात जिलों को शामिल करते हुए भारतीय रेल की दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिससे विद्यमान नेटवर्क में करीब 318 किलोमीटर की वृद्धि होगी

इन पहलों से यात्रा सुविधा में सुधार होगा, लॉजिस्टिक लागत घटेगी, तेल आयात में कमी और कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन में गिरावट आएगी, जिससे टिकाऊ और कुशल रेल प्रचालन को बढ़ावा मिलेगा

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने रेल मंत्रालय की दो परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनकी कुल लागत 6,405 करोड़ रुपये है।

इन परियोजनाओं में शामिल हैं:

- कोडरमा-बरकाकाना दोहरीकरण (133 किलोमीटर) यह परियोजना खंड झारखंड के एक प्रमुख कोयला उत्पादक क्षेत्र से होकर गुजरता है। इसके अतिरिक्त, यह पटना और रांची के बीच सबसे छोटा और अधिक कुशल रेल संपर्क है।

- बेल्लारी-चिकजाजुर दोहरीकरण (185 किलोमीटर) - परियोजना लाइन कर्नाटक के बेल्लारी और चित्रदुर्ग जिलों और आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले से होकर गुजरती है।

बढ़ी हुई लाइन क्षमता से गतिशीलता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेल के लिए प्रचालनगत दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा। इन मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्तावों से प्रचालन सुव्यवस्थित होगा और भीड़भाड़ में कमी आएगी। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के विजन के अनुरूप हैं, जो क्षेत्र में व्यापक विकास के माध्यम से लोगों को ‘‘आत्मनिर्भर’’ बनाएगी, जिससे उनके लिए रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। ये परियोजनाएं मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम हैं, जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हुआ है और ये लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। झारखंड, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के सात जिलों को शामिल करने वाली ये दो परियोजनाएं भारतीय रेल के विद्यमान नेटवर्क को लगभग 318



किलोमीटर तक बढ़ा देंगी। अनुमोदित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना लगभग 1,408 गांवों में कनेक्टिविटी बढ़ाएगी, जिनकी आबादी लगभग 28.19 लाख है। कोयला, लोह अयस्क, परिष्कृत इस्पात, सीमेंट, उर्वरक, कृषि वस्तुओं और पेट्रोलियम उत्पादों आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए ये आवश्यक मार्ग हैं। क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 49 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) का अतिरिक्त माल यातायात होगा। रेलवे पर्यावरण का अनुकूल और ऊर्जा सक्षम साधन है, जिससे जलवायु लक्ष्यों को अर्जित करने और देश की लॉजिस्टिक्स लागत को घटाने, तेल आयात (52 करोड़ लीटर) को कम करने और कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन (264 करोड़ किलोग्राम), जो 11 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है, को कम करने में मदद मिलेगी।

रेलवे बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 155 वीं बैठक का आयोजन, रेलवे बोर्ड ने 25 कर्मियों को राजभाषा में उत्कृष्ट योगदान के लिए किया सम्मानित

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेल भवन में रेलवे बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 155 वीं बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता सदस्य (परिचालन व व्यावसायिक विकास) श्री हितेंद्र मल्होत्रा ने की।



उन्होंने बैठक में राजभाषा पत्रिका ‘रेल राजभाषा’ के 141 वें अंक का विमोचन किया। साथ ही ‘रेलवानी’ (भारतीय रेल क्षेत्रीय भाषाओं का मेल) पुस्तिका का भी विमोचन किया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने रेलवे बोर्ड के राजभाषा निदेशालय द्वारा राजभाषा के प्रगामी प्रयोग हेतु किये जा रहे प्रयासों एवं कार्यक्रमों के प्रति संतुष्टि व्यक्त की और यह सुझाव दिया कि बैठक में हिंदी साहित्यकारों की कृतियाँ एवं हिंदी साहित्य में उनके योगदान संबंधी प्रस्तुतीकरण भी दिखाया जाए, जिससे सदस्यों को हिंदी साहित्य की जानकारी प्राप्त हो। इस अवसर पर सदस्य (वित्त) सुश्री उषा वेणुगोपाल ने समिति के सदस्यों को राजभाषा के बेहतर कार्यान्वयन हेतु कार्य करने का सुझाव दिया। सदस्य (कर्षण व चल स्टॉक) श्री बी एम अग्रवाल ने कहा कि राजभाषा का

प्रयोग हमारा संवैधानिक दायित्व है। अतः सभी सदस्यों को राजभाषा के प्रयोग संबंधी लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए अनवरत प्रयास करते रहने की सलाह दी। महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को राजभाषा के प्रयोग-प्रसार की अनिवार्यता का उल्लेख किया। अपर सदस्य (मानव संसाधन) सुश्री वी जी भूमा ने अपने स्वागत भाषण से बैठक का शुभारंभ किया और कार्यपालक निदेशक, स्थापना (भ्रम कानून) श्री सुधीर कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस बैठक में मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए रेलवे बोर्ड एवं अधीनस्थ उपक्रमों में राजभाषा निष्पादन की समीक्षा की गई। तत्पश्चात क्षेत्रीय रेलों में राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देनेवाले 25 कर्मियों को कमलापति त्रिपाठी राजभाषा स्वर्ण पदक एवं रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक से सम्मानित किया गया।



मेट्रो रेलवे में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन।

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाप्रबंधक श्री पी. उदय कुमार रेड्डी की अध्यक्षता में मेट्रो रेलवे राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक मेट्रो रेल भवन स्थित सभागार में संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ करते हुए समिति के सचिव एवं वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी ने महाप्रबंधक महोदय एवं उपस्थित सभी अधिकारियों का औपचारिक स्वागत किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए महाप्रबंधक श्री पी. उदय कुमार रेड्डी ने रेलवे बोर्ड द्वारा राजभाषा कार्यों के लक्ष्यों में 05 प्रतिशत की बढ़ोतरी को ध्यान में

रखते हुए सभी विभागों को समेकित रूप से प्रयास करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मेट्रो रेलवे की राजभाषा पत्रिका (ई-संस्करण) के 37वें अंक का महाप्रबंधक महोदय द्वारा विमोचन भी किया गया। बैठक में मुख्य राजभाषा अधिकारी सह प्रधान वित्त सलाहकार श्रीमती अंबिका जैन सहित समिति के अन्य सदस्यगण तथा उनके प्रतिनिधि उपस्थित थे।



प्रयागराज मण्डल में सौर ऊर्जा उत्पादन से पर्यावरण संरक्षण एवं राजस्व की बचत, वित्तीय वर्ष 2024 - 2025 में 42.19 लाख यूनिट से अधिक विद्युत का उत्पादन

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रयागराज मण्डल अपने सम्मानित यात्रियों को उन्नत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही भारतीय रेलवे के शून्य कार्बन उत्सर्जन के संकल्प में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। इसी क्रम में वरिष्ठ मण्डल बिजली इंजीनियर/ सामान्य श्री कुँवर सिंह यादव जी के मार्गनिर्देशन में रेलवे को पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए प्रयागराज मण्डल ने अपनी ऊर्जा खपत को निरंतर कम करते हुए वैकल्पिक ऊर्जा को बढ़ावा दिया है। प्रयागराज मण्डल में ऊर्जा संरक्षण के लिए सोलर ऊर्जा के उत्पादन के साथ ऊर्जा कुशल उपकरण भी स्थापित किए जा रहे हैं। मार्च, 2025 तक प्रयागराज मण्डल में सोलर ऊर्जा के उत्पादन के लिए 4700 किलोवाट की क्षमता के सोलर पैनल स्थापित किए जा चुके हैं। इन सोलर पैनलों से गत वित्तीय वर्ष में 42.19 लाख यूनिट विद्युत का उत्पादन कर 1.6 करोड़ रुपये से अधिक रेल राजस्व की बचत की गई। स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के लिए प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, नैनी, कानपुर सेंट्रल, टूंडला, मानिकपुर, इटावा, दादरी, फतेहपुर, विंध्याचल, शिकोहाबाद, मिर्जापुर, अलीगढ़ एवं सूबेदारगंज स्टेशनों सहित अनेक कार्यालयों एवं स्टेशनों पर सोलर पैनल स्थापित किए गए हैं। प्रयागराज परिक्षेत्र में प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज मण्डल कार्यालय, केंद्रीय चिकित्सालय, सूबेदारगंज स्टेशन, उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय एवं रेलवे सुरक्षा बल ट्रेनिंग सेंटर सूबेदारगंज में 1906 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल स्थापित किए गए हैं। इन पैनलों से गत वित्तीय वर्ष में 20.98 लाख यूनिट विद्युत का उत्पादन कर 65.55 लाख रुपये से अधिक रेल राजस्व की बचत की गई। कानपुर परिक्षेत्र में कानपुर सेंट्रल स्टेशन, इलेक्ट्रिक लोको शेड, बहु-विषयक मंडल प्रशिक्षण संस्थान कानपुर, मेमू शेड कानपुर, न्यू कोचिंग कॉम्प्लेक्स सीईटीए स्कूल कानपुर, न्यू एवं ओल्ड ड्राइवर रनिंग रूम एवं

अधिकारी विश्रामगृह में 1200 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल स्थापित किए गए हैं। इन सोलर पैनलों से गत वित्तीय वर्ष में 10.80 लाख यूनिट विद्युत का उत्पादन कर 48.28 लाख रुपये से अधिक रेल राजस्व की बचत की गई। टूंडला परिक्षेत्र में टूंडला स्टेशन, सर्विस बिल्डिंग टूंडला, फीरोजाबाद स्टेशन, सर्विस बिल्डिंग फीरोजाबाद एवं शिकोहाबाद स्टेशन में 614 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल स्थापित किए गए हैं। इन पैनलों से गत वित्तीय वर्ष में 4.79 लाख यूनिट विद्युत का उत्पादन कर 23.46 लाख रुपये से अधिक राजस्व की बचत की गई। अलीगढ़ परिक्षेत्र में अलीगढ़ स्टेशन, कुलवा स्टेशन, मेहरावाल स्टेशन एवं दादरी स्टेशन में 236 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल स्थापित किए गए हैं। इन पैनलों से गत वित्तीय वर्ष में 2.39 लाख यूनिट विद्युत का उत्पादन कर 8.01 लाख रुपये से अधिक राजस्व की बचत की गई। इसके अतिरिक्त मनोहरगंज, मानिकपुर, शकरगढ़, नैनी, प्रयागराज छिवकी, ऊंचडीह, मेजा रोड, मिर्जापुर, चुनार रनिंग रूम, फतेहपुर, खग, इटावा, फफूंद स्टेशन पर 742 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल स्थापित किए गए हैं। इन पैनलों से गत वित्तीय वर्ष में 3.23 लाख यूनिट विद्युत का उत्पादन कर 14.77 लाख रुपये से अधिक राजस्व की बचत की गई। प्रयागराज मण्डल द्वारा स्थापित उत्कृष्ट एवं स्वच्छ ऊर्जा निर्माण के लिए फरवरी, 2025 में इलेक्ट्रिक लोको शेड कानपुर में इलेक्ट्रिक ट्रेक्शन डिपो, टाइम आफिस स्टोर डिपो, सब स्टेशन, प्लानिंग प्रोग्रेस आफिस एवं अलीगढ़ के पार्सल आफिस सहित कुल 05 भवनों को ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी द्वारा प्रतिष्ठित ‘शून्य प्लस’ प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया है। ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है।

आरेडिका ने अखिल भारतीय रेल स्तर पर हिंदी नाट्य उत्सव में सर्वश्रेष्ठ स्क्रिप्ट लेखन पुरस्कार प्राप्त किया

सूत्र/रे.स.ब्यू-विगत वर्षों की भांति रेल मंत्रालय ने इस वर्ष भी राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार के उद्देश्य से अखिल भारतीय रेल स्तर पर हिंदी नाट्य उत्सव-2024 का आयोजन किया। इस वर्ष अखिल भारतीय रेल स्तर पर हिंदी नाट्य उत्सव - 2024 का आयोजन रेल मंत्रालय के निर्देशन में मध्य रेलवे द्वारा 2 जून 2025 से 6 जून 2025 के बीच क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, भुसावल में किया। इस प्रतियोगिता में आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली ने अध्यक्ष, सांस्कृतिक संगठन एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी के कुशल मार्गदर्शन में 12 सदस्यीय दल इस प्रतियोगिता में शामिल हुए। दल का नेतृत्व अमिय श्रीवास्तव वरिष्ठ अनुभाग अभियंता ने किया। इस

प्रतियोगिता में आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली की टीम ने सर्वश्रेष्ठ स्क्रिप्ट लेखन का पुरस्कार प्राप्त किया। इस स्क्रिप्ट के लेखक, आरेडिका के वरिष्ठ अनुभाग अभियंता अंगद सिंह कुशवाहा हैं। इस प्रतियोगिता में एमसीएफ द्वारा ‘‘मौलिक अधिकार’’ नामक नाटक का मंचन किया गया, इस नाटक का निर्देशन श्री विश्वेश्वर प्रसाद तकनीशियन द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त आदित्य प्रकाश, अरविंद ओझा, विवेकानंद व्यास, भारतेंदु कुमार, राजेन्द्र वर्मा, जितेंद्र कुमार, गिरीश कुमार दीपक कुमार, गौरव कुमार, मो. परवेज, प्रियंका ने इस नाटक में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन किया।

बीएसएफ जवानों के लिए पुरानी ट्रेन उपलब्ध कराने पर रेल मंत्री ने लिया कड़ा संज्ञान।

सूत्र/रे.स.ब्यू- अलीपुरद्वार मंडल के चार अधिकारी निर्लंबित, जवानों के लिए अलग ट्रेन की व्यवस्था। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने बीएसएफ जवानों को सेवा में लगाए जाने हेतु अनुपयुक्त / पुरानी ट्रेन उपलब्ध कराए जाने की घटना को गंभीरता से लिया है। इस मामले में लापरवाही बरतने वाले अलीपुरद्वार मंडल के चार अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निर्लंबित कर दिया गया है।

निर्लंबित अधिकारियों में शामिल हैं:

- अलीपुर कोचिंग डिपो के कोचिंग डिपो अधिकारी (Coaching Depot Officer)
- अलीपुरद्वार मंडल के तीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (Senior Section Engineers)

रेल मंत्री ने यह स्पष्ट किया है कि सुरक्षा बलों की गरिमा और सुविधा सर्वोपरि है और इस प्रकार की लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जवानों के लिए नई ट्रेन की व्यवस्था: बीएसएफ जवानों के लिए अब अगरतला से एक विशेष ट्रेन (Special Train) चलाई जाएगी, जिसमें उनकी सुविधा और सम्मान का पूर्ण ध्यान रखा जाएगा। रेल मंत्रालय द्वारा इस पूरे प्रकरण की जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं। सुनिश्चित किया जा रहा है कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

संपादकीय

सफर जो कभी पूरा न हुआ- एयर इंडिया हादसे पर श्रद्धांजलि

एयर इंडिया की हालिया घटना में कई अनमोल ज़िंदगियों का यूं अचानक चले जाना अत्यंत पीड़ादायक है। हर उड़ान उम्मीदों के साथ भरी जाती है, न कि औसुओं और अपनों की जुदाई के साथ। रेल समाचार ब्यूरो परिवार इस अपूर्णीय क्षति से अत्यंत मर्माहत है। हम दिवंगत आत्माओं को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हैं। यह क्षण केवल शोक का नहीं, बल्कि गहराई से सोचने का भी है - कि व्यवस्था, सुरक्षा और उत्तरदायित्व की हर चूक कितना भारी पड़ सकती है।

ईश्वर सभी को संबल दें। ऊँ शांति।

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ ने वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया, केंद्रीय मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने “प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने” पर ध्यान केंद्रित करते हुए हरित पहल का नेतृत्व किया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर “प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना” विषय पर, आयुष मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ (RAV) ने नई दिल्ली स्थित मंत्रालय परिसर में वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ आयुर्वेद के गहरे संबंध को प्रदर्शित करना और दीर्घकालिक जीवनशैली को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय आयुष और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने किया। आयुष सचिव पद्मश्री वैद्य राजेश कोटेचा और RAV की निदेशक वैद्य वंदना सिरोहा भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। श्री जाधव ने अपने संबोधन में कहा, “आयुर्वेद स्वाभाविक रूप से पर्यावरण के प्रति संवेदनशील है। पेड़ लगाना और प्लास्टिक उपयोग कम करना हमारे दीर्घकालिक जीवन और स्वस्थ पृथ्वी के

प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।” कार्यक्रम के अंतर्गत स्वदेशी और औषधीय पौधों का रोपण किया गया, जो आयुर्वेद के प्रकृति-संगत दर्शन को दर्शाता है। वैद्य राजेश कोटेचा ने मंत्रालय द्वारा आयुर्वेद के माध्यम से सतत भविष्य निर्माण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को साझा किया। वैद्य देविंदर त्रिगुणा ने पारिस्थितिकी और समग्र स्वास्थ्य के बीच गहरे संबंध की चर्चा की, जबकि वैद्य वंदना सिरोहा ने पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और शैक्षिक प्रसार के लिए RAV की प्रतिबद्धता दोहराई। सभी प्रतिभागियों को कपड़े के थैले वितरित किए गए, जो प्लास्टिक के विकल्प के रूप में जागरूकता बढ़ाने का प्रतीक बने। यह पहल आयुष मंत्रालय और RAV द्वारा पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणालियों के संरक्षण और पर्यावरणीय समरसता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सार्थक कदम है।

‘आयुष निवेश सारथी’- पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र के लिए निवेशक सुविधा पोर्टल।

सूत्र/रे.स.ब्यू- 29 मई 2025 को नई दिल्ली स्थित वाणिज्य भवन में भारत सरकार ने ‘आयुष निवेश सारथी’ पोर्टल लॉन्च कर आयुष क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया। इस पोर्टल का संयुक्त उद्घाटन केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल और केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने किया। कार्यक्रम में आयुष सचिव पद्मश्री वैद्य राजेश कोटेचा, डीपीआईआईटी सचिव श्री अमरदीप सिंह भाटिया और कई वैश्विक हितधारक उपस्थित रहे। यह पहल पारंपरिक भारतीय चिकित्सा प्रणालियों को डेटा, पारदर्शिता और तकनीकी पहुंच से जोड़ते हुए एक मजबूत आर्थिक इंजन में बदलने का प्रयास है। ‘आयुष निवेश सारथी’ पोर्टल, आयुष मंत्रालय और इन्वेस्ट इंडिया द्वारा विकसित, एक समर्पित डिजिटल मंच है जो निवेशकों को नीतिगत जानकारी, प्रोत्साहन योजनाएं, निवेश-योग्य परियोजनाएं और रियल-टाइम

सहायता प्रदान करता है। यह घरेलू और वैश्विक निवेशकों के लिए भारत को एक आकर्षक आयुष गंतव्य बनाता है। श्री पीयूष गोयल ने कहा, “100% एफडीआई की अनुमति और स्वचालन से जुड़ी प्रक्रियाओं के साथ यह पोर्टल दर्शाता है कि भारत आयुष क्षेत्र में निवेश व नवाचार के लिए पूरी तरह तैयार है।” उन्होंने इसे प्राचीन परंपरा और आधुनिक सोच का संगम बताया। श्री प्रतापराव जाधव ने कहा, “यह पोर्टल केवल डिजिटल मंच नहीं, बल्कि भारत की 8,000 से अधिक औषधीय पौधों की संपदा और सरकार की नीतियों का समन्वय है। यह वैश्विक निवेश के लिए आयुष को एक मजबूत अवसर बनाता है।” भारत का आयुष उद्योग 2014-2020 के बीच 17% वार्षिक वृद्धि दर से उभरा है और अब \$13 बिलियन की चिकित्सा मूल्य यात्रा (MVT) में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह पोर्टल भारत को आयुष क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली ने पर्यावरण के लिए जीवन शैली (मेरी लाइफ) अभियान के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस-2025 मनाया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA) ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे “पर्यावरण के लिए जीवनशैली (मेरी लाइफ)” अभियान के तहत विश्व पर्यावरण दिवस 2025 को बड़े उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ मनाया। सभी गतिविधियाँ संस्थान की निदेशक प्रो. (डॉ.) मंजूषा राजगोपाला के मार्गदर्शन में आयोजित की गईं। इस वर्ष की थीम “प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना” रही। द्रव्यगुण विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित प्रमुख गतिविधियों में पर्यावरण जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक, वृक्षारोपण और शैक्षिक प्रतियोगिताएं शामिल थीं। रैली में पीजी और पीएचडी छात्र, संकाय, स्टाफ और स्थानीय पुलिस कर्मियों ने भाग लिया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक “प्लास्टिक की दुनिया, प्रकृति का विनाश” ने प्लास्टिक प्रदूषण के खतरे और आयुर्वेद को टिकाऊ

समाधान के रूप में उजागर किया। संस्थान परिसर में 500 से अधिक औषधीय और देशी पौधों का वृक्षारोपण किया गया और 200 पौधे रोगियों को घरेलू हर्बल खेती को बढ़ावा देने हेतु वितरित किए गए। 22 मई से 5 जून के बीच, संस्थान ने 5,000 से अधिक रोगियों तक प्लास्टिक प्रदूषण और आयुर्वेदिक पारिस्थितिकी पर जागरूकता अभियान चलाया। निबंध लेखन और मॉडल प्रतियोगिताएं छात्रों को प्राकृतिक विकल्प अपनाने हेतु प्रेरित करने के लिए आयोजित की गईं। 5 जून को मुख्य कार्यक्रम मिनी ऑडिटोरियम में हुआ, जिसमें प्रो. एम.एम. राव (चिकित्सा अधीक्षक), प्रो. योगेश बडवे (डीन, पीजी) और डॉ. मीना एस. देवगड़े (नोडल अधिकारी) ने भाग लिया। कार्यक्रम में पर्यावरण शपथ, गतिविधियों का सारांश, पुरस्कार वितरण और प्रेरणादायक भाषण शामिल रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 से संबंधित ताजा जानकारी की बढ़ती मांग से अधिकारियों को तैयार करने के लिए कार्यशाला का आयोजन।

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ मिलकर 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (IDY) 2025 की व्यापक पहुंच और निर्बाध समन्वय के लिए 14 जून 2025 को एक उच्च स्तरीय वर्चुअल कार्यशाला आयोजित की। इसमें विभिन्न सरकारी विभागों के 400 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए। यह कार्यशाला IDY के दस वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा को चिह्नित करते हुए “एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग” विषय पर केंद्रित थी। इसका उद्देश्य योग दिवस समारोहों के लिए समय पर और प्रमाणिक जानकारी साझा करना था। आयुष मंत्रालय के

सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कार्यशाला की अध्यक्षता की और अपने संबोधन में कहा, “अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अब केवल एक तारीख नहीं, बल्कि यह एक दशक पुराना जन आंदोलन है। यह भारत की सांस्कृतिक कूटनीति और निवारक स्वास्थ्य सेवा का वैश्विक प्रतीक बन गया है।” उन्होंने योग को हर नागरिक तक पहुंचाने के लिए सरकार के समग्र दृष्टिकोण और मीडिया की व्यापक पहुंच पर बल दिया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री सी. सैथिल राजन ने मीडिया कन्वर्जेंस, दृश्य सामग्री और नागरिक सहभागिता की भूमिका पर प्रकाश

डाला। वहीं, आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री मोनालिसा दाश ने रचनात्मक योजना और समन्वय के माध्यम से योग संदेश के प्रसार पर जोर दिया। कार्यशाला में अंतर-मंत्रालयी पहलों की समीक्षा की गई और 21 जून 2025 को IDY के लिए समन्वित राष्ट्रीय अभियान पर चर्चा हुई। विशेष जोर आदिवासी क्षेत्रों, शहरी-बस्तियों और ग्रामीण समुदायों तक योग संदेश को पहुंचाने पर दिया गया। इस कार्यशाला ने 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को एक ऐतिहासिक और समावेशी उत्सव बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्वास्थ्य के लिए एकत्र हुए सितारे : विख्यात हस्तियां और इंप्लूएंसर्स अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 को बढ़ावा देने के लिए आगे आए।

सूत्र/रे.स.ब्यू- जैसे-जैसे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 निकट आ रहा है, फिल्म, संगीत और सार्वजनिक सेवा क्षेत्र की विख्यात हस्तियां योग अभियान से जुड़ रही हैं, जिससे यह राष्ट्रीय अनुष्ठान एक सशक्त जन आंदोलन बन चुका है। पूर्व आईपीएस अधिकारी और पुडुचेरी की पूर्व राज्यपाल डॉ. किरण बेदी ने कहा, “योग आत्म-देखभाल और सामाजिक देखभाल का दूसरा नाम है।” विख्यात अभिनेता अनुपम खेर ने वीडियो संदेश में सभी से “योग समारोह मनाने” का आग्रह किया। अनिल कपूर ने ‘एक्स’ पर लिखा, “योग प्रेरणा देता है, स्वस्थ करता है और एकजुट करता है।” पहलवान संग्राम

सिंह ने कहा, “योग आत्मा और परमात्मा के एकीकरण का माध्यम है। यह हमें प्रकृति से जोड़ता है और तनाव, चिंता व अवसाद से मुक्ति दिलाता है।” गायक कैलाश खेर ने योग को भारत की कालातीत भेंट बताते हुए कहा कि विश्व ने इसे अपनाया है। प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्यांगना सोनल मानसिंह ने कहा, “योग ने मेरे जीवन में आध्यात्मिक उत्थान और गहरी अंतर्दृष्टि दी है।” अभिनेता मनोज जोशी ने योग और आयुर्वेद आधारित दिनचर्या को शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी बताया और प्रतिदिन योग करने का आग्रह किया। शिल्पा शेड्डी ने ‘एक्स’ पर लिखा, “योग हमारे भीतर और आसपास सद्भाव को

बढ़ाता है। हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए इस विरासत को बढ़ावा देना चाहिए।” रकुल प्रीत सिंह ने इंस्टाग्राम पर कहा, “प्राचीन भारत से वैश्विक मंच तक, योग ने एकजुटता और आरोग्य को आगे बढ़ाया है।” इन प्रभावशाली व्यक्तित्वों के सक्रिय समर्थन से योग दिवस अभियान को नई ऊर्जा और लोकप्रियता मिली है। युवाओं और डिजिटल माध्यम से जुड़ी जनता के बीच इनका प्रभाव 21 जून को होने वाले योग दिवस को एक ऐतिहासिक उत्सव में बदलने की ओर अग्रसर है।

भारतीय रेल के लिए अगली पीढ़ी के बहुभाषी एआई समाधान तैयार करने हेतु भाषिणी और सीआरआईएस ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

सूत्र/रे.स.ब्यू-भारतीय रेल में भाषाई समावेशन एवं एआई-संचालित डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम के रूप में, डिजिटल इंडिया भाषिणी प्रभाग (डीआईबीडी) और रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र (सीआर आईएस) ने आज प्रमुख सार्वजनिक रेलवे प्लेटफार्मों पर बहुभाषी कृत्रिम बुद्धिमत्ता समाधानों के विकास एवं तैनाती के संबंध में सहयोग करने हेतु एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन पर औपचारिक रूप से भाषिणी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अमिताभ नाग और सीआरआईएस के प्रबंध निदेशक श्री जी.वी. एल. सत्य कुमार ने नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए। इस रणनीतिक साझेदारी का उद्देश्य भाषिणी की अत्याधुनिक भाषा प्रौद्योगिकी स्टैक को सीआरआईएस द्वारा प्रबंधित नेशनल ट्रेन इक्वायरी सिस्टम (एनटीईएस) और रेलमदद

जैसी प्रणाली के साथ एकीकृत करना है। इस प्रौद्योगिकी स्टैक में ऑटोमैटिक स्पीच रिकॉग्निशन (एएसआर), टेक्स्ट-टू-टेक्स्ट ट्रांसलेशन, टेक्स्ट-टू-स्पीच (टीटीएस) और ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकॉग्निशन (ओसीआर) शामिल हैं। इससे नागरिकों को 22 भारतीय भाषाओं में महत्वपूर्ण रेलवे सेवाओं का लाभ पाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर बोलते हुए, भाषिणी के सीईओ श्री अमिताभ नाग ने कहा, “यह सहयोग लाखों यात्रियों के रेलवे सेवाओं से जुड़ने के तरीके में बदलाव ला देगा। भाषिणी की एआई क्षमताओं के जरिए, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि भाषा अब महत्वपूर्ण सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंचने में बाधा नहीं बनेगी।” सीआरआईएस के प्रबंध निदेशक श्री जी.वी.एल. सत्य कुमार ने कहा, “सीआरआईएस को हमारे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर समावेशी, एआई-संचालित समाधानों को

लागू करने हेतु भाषिणी के साथ साझेदारी करने पर गर्व है। इससे हमारी यात्री-संबंधी सेवाओं की सुलभता, पारदर्शिता और दक्षता बढ़ेगी।” यह साझेदारी बहुभाषी यात्री सहायता के लिए चौटबॉट एवं वॉयस असिस्टेंट के सह-विकास, रेलवे पूछताछ सेटअप के लिए बहुभाषी ओवर-द-काउंटर इंटरफेस विकसित करने, क्लाउड एवं ऑन-प्रिमाइसेस इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए भाषिणी-संचालित सेवाओं को उन्नत करने, वेबसाइटों, मोबाइल ऐप, कियोस्क व कॉल सेंटर्स में इन क्षमताओं को तैनात करने तथा विभिन्न भारतीय भाषाओं में वास्तविक समय में भाषण-आधारित संवाद को संभव करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगी। आने वाले महीनों में संयुक्त तकनीकी कार्यशालाओं और प्रयोगात्मक तैनाती की एक श्रृंखला शुरू होने वाली है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 21 जून पर विशेष

योग: हर उम्र के लिए स्वास्थ्य, संतुलन और आत्मशक्ति का मार्ग

सूत्र/रे.स.ब्यू- हर वर्ष 21 जून को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अब केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला आंदोलन बन चुका है। योग, जो भारत की प्राचीन परंपरा से निकला एक जीवन विज्ञान है, आज दुनिया भर में स्वास्थ्य, शांति और संतुलन का पर्याय बन गया है। योग की सबसे खास बात यह है कि यह हर उम्र और हर वर्ग के व्यक्ति के लिए समान रूप से लाभकारी है। यह सिर्फ शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि मन को स्थिर, भावनाओं को नियंत्रित और आत्मा को जागरूक करने का विज्ञान है।

बच्चों के लिए योग: एकाग्रता और अनुशासन का आधार- तेजी से बदलती शिक्षा प्रणाली और डिजिटल जीवनशैली के बीच बच्चे आज मानसिक और भावनात्मक दबाव का सामना कर रहे हैं। योग बच्चों को न केवल शारीरिक रूप से लचीला और मजबूत बनाता है, बल्कि उनके भीतर एकाग्रता, स्मरण शक्ति, आत्मविश्वास और अनुशासन भी विकसित करता है। सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, और बालासन जैसे सरल आसनों से बच्चों की शारीरिक ग्रोथ और मानसिक स्पष्टता को बल मिलता है।

युवाओं के लिए योग: ऊर्जा और मानसिक स्थिरता का स्रोत- युवावस्था संघर्षों, करियर के तनाव, भावनात्मक उलझनों और तेजी से



बदलते सामाजिक परिवेश की उम्र होती है। योग युवाओं को आत्म-नियंत्रण, स्पष्ट सोच और सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करता है। अनुलोम-विलोम, ध्यान, और त्रिकोणासन जैसे अभ्यास शरीर की ऊर्जा को संतुलित करते हैं और भावनात्मक स्थिरता लाते हैं। **महिलाओं के लिए योग:** संतुलन और सशक्तिकरण का माध्यम- महिलाओं के जीवन में अनेक भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को निभाने की चुनौती होती है। योग न केवल उन्हें शारीरिक रूप से सक्षम बनाता है, बल्कि मानसिक रूप से भी सशक्त करता है। भुजंगासन, बद्ध कोणासन, और चक्रासन जैसे आसन शारीरिक संतुलन बनाए रखते हैं और तनाव कम करने में मदद करते हैं। ध्यान और श्वास अभ्यास आत्मबल बढ़ाने और आंतरिक

शांति प्रदान करने में सहायक होते हैं। **वरिष्ठ नागरिकों के लिए योग:** सक्रियता और आत्मनिर्भरता की कुंजी- उम्र बढ़ने के साथ शरीर में जकड़न, दर्द और बीमारियां आम हो जाती हैं। लेकिन नियमित योगाभ्यास वृद्धजन को न केवल इन समस्याओं से राहत देता है, बल्कि उन्हें मानसिक रूप से भी संतुलित और आत्मनिर्भर बनाए रखता है। वृक्षासन, वज्रासन, शवासन और नाड़ी शोधन प्राणायाम बुजुर्गों में रक्तचाप नियंत्रण, नींद सुधार, और जोड़ों के दर्द में कमी लाते हैं। **योग एक सार्वभौमिक उपहार:** आज जब पूरी दुनिया स्वास्थ्य, मानसिक शांति और जीवन की गुणवत्ता को लेकर चिंतित है, तब योग एक ऐसा समाधान है जो सभी के लिए समान रूप से सुलभ और उपयोगी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से अंतर्राष्ट्रीय मंच पर योग को जो मान्यता मिली है, वह भारत के सांस्कृतिक योगदान की मिसाल है। इस 21 जून, आइए हम सब संकल्प लें कि हम योग को केवल एक दिवस तक सीमित न रखें, बल्कि उसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। योग न केवल हमें स्वस्थ बनाता है, बल्कि हमारे परिवार, समाज और राष्ट्र को भी संतुलित, सकारात्मक और जागरूक दिशा में अग्रसर करता है।

Alert RPF constable saves life

Source/CR-Shri Ram Narayan Singh, RPF Constable, Central Railway, displayed an incredible act of bravery and saved a passenger from harm. On 30.05.2025, when Train No. 12201 DN LTT-Kochuveli Garib Rath Express had just departed from Platform No. 4 at Lokmanya Tilak Terminus station, a passenger attempted to board the moving train, slipped, and fell into the gap between the train and the platform. Shri Ram Narayan Singh, RPF Constable, Mumbai Division, Central Railway, who was on duty at the platform, witnessed the fall. In a daring act of courage, he immediately rushed, grabbed the passenger, and pulled him to safety, thus saving him from a potentially fatal accident. Following the incident, the passenger appeared to be in a state of extreme urgency and distress. He informed that there was a family emergency at home, due to which he was desperate to catch the train. He was counselled and given proper guidance to continue his journey safely. Shri Ram Narayan Singh, who has given a unique example of alertness, dedication, and sense of duty in saving the passenger's life, can rightly be called a "Jeevan Rakshak". By this act of bravery, Shri Singh has set an example for others to follow and fulfill their duty as dedicated railway employees and compassionate human beings. Central Railway acknowledges the exemplary act of bravery of Shri Ram Narayan Singh in saving the life of the passenger. Numerous alert and brave railway men and women work 24x7 to ensure the smooth and safe travel of millions of passengers. Railways appeals to all passengers to avoid boarding or de-boarding moving trains, as it is dangerous to life.

Delhi Metro Introduces Priority Frisking for Special Category Passengers



Source/DMRC- The Delhi Metro Rail Corporation (DMRC), in coordination with the Central Industrial Security Force (CISF), has introduced a Priority Frisking initiative at all metro stations for special category passengers. This initiative will benefit divyangjans, pregnant women, women with infants, senior citizens, and injured persons. The objective of this initiative is to provide a smooth and hassle-free travel experience for these passengers, ensuring they can move through security checks with ease and convenience. By implementing priority frisking, DMRC reaffirms its commitment to making the metro system more accessible, inclusive, and empathetic for all. In case of any doubt or dispute regarding eligibility for this facility, security personnel may request passengers to provide relevant document to verify their status. DMRC is working in close coordination with CISF and security personnel to implement the priority frisking initiative and issue necessary guidelines to ensure a seamless experience for special category passengers. DMRC has always prioritized accessibility for divganjans and senior citizens by providing end-to-end services across the metro system, including reserved seating. All DMRC premises are commuter-friendly, with facilities such as tactile paths, wheelchairs, and other support systems to ensure a seamless travel experience. With this step also, DMRC continues to set an example for public transportation systems across the country by reinforcing its commitment to social responsibility.

International Level Crossing Awareness Day celebrated over Delhi Division

Source/NR- International Level Crossing Awareness Day is celebrated all over the world on 5th of June every year. In this context, Delhi division is celebrating International Level Crossing Awareness Day by conducting the Level Crossing awareness campaign through counselling of road users at different locations. Counselling of Road users has been carried out at level crossing in New Delhi-Panipat-Ambala, Shakurbasti-Rohtak-Jind, Rohtak-Panipat, Delhi Shahdara-Shamli, Delhi-Rewari, New Delhi-Palwal & Ghaziabad-Meerut City Sections of Delhi Division. Sh. Pushpesh Raman Tripathi, Divisional Railway Manager Delhi said that road users were counselled not to cross railway tracks when level crossing gates are closed.

Central Railway Observes World Environment Day with Launch of 'Go Green' Initiative, Rallies, Pledge Ceremony and Tree Plantation Drive

Source/CR- Central Railway observed World Environment Day on 5th June 2025 with zeal, launching its 'Go Green' initiative through a series of eco-conscious activities. The celebrations began at Chhatrapati Shivaji Maharaj Terminus (CSMT) Hall, where Shri Dharam Veer Meena, General Manager, Central Railway, administered the Environment Pledge to all PHODs, headquarters officers, and staff. The pledge was also administered via video conference by Member Traction and Rolling Stock (MTRS), Railway Board. Addressing the gathering, Shri Meena stressed the significance of trees in sustaining life, citing how tall trees can divert lightning and emphasizing the ecological importance of native species like Banyan and Peepal. He praised trees for their selfless contributions—offering oxygen, shade, shelter, and acting as barriers against climate change. He urged railway personnel to adopt eco-friendly practices in their professional and personal lives. Later, a mass plantation drive was led by Shri Meena, with participation from

Principal Heads of Departments and senior officers, during which 100 saplings were planted. Central Railway has set a target to plant 500 saplings in the coming days as part of its commitment to a greener future. Shri Meena also inaugurated an exhibition on eco-friendly alternatives to plastic. The exhibit displayed edible cutlery made from pulses and various plastic types, aiming to educate visitors on plastic pollution and promote sustainable choices aligned with the global theme—"End Plastic Pollution." Additionally, awareness rallies were held at Lokmanya Tilak Terminus and CSMT, led by Shri Meena and involving railway staff, Bharat Scouts & Guides, and Civil Defence teams. Passengers and staff were sensitized about environmental conservation and the importance of adopting sustainable daily practices. The event reaffirmed Central Railway's commitment to environmental stewardship and collective action towards a sustainable future.

Hon'ble Minister of Railways Approved the Project of Miraj Chord Line at Cost of ₹128.78 Crores

Source/RSB-In a major step towards enhancing rail connectivity and freight movement efficiency, the Hon'ble Minister of Railways, Shri Ashwini Vaishnaw, has approved the sanction of the Miraj Chord Line (1.73 km) project under Central Railway at an estimated cost of ₹128.78 crores. This strategic initiative, proposed under the umbrella of Multi tracking/Flyover/Bypass Line Capacity Augmentation, aims to significantly ease train operations at Miraj Junction, a key interchange point connecting routes such as Miraj-Pune, Miraj-Kolhapur, Miraj-Pandharpur, and Miraj-Londa. Currently, trains arriving from

Kurduwadi or Hubballi and heading towards Kolhapur experience an average detention time of 120 minutes due to engine or brakevan reversal at Miraj. The proposed chord line will remove these operational delays, thereby improving network efficiency. This is a significant step forward in strengthening the railway infrastructure in Western Maharashtra and will pave the way for more efficient goods and passenger train operations in the region. This fulfils long standing demand of Passenger for speedier travel from Miraj to Kolhapur.

Punjab Mail enters its glorious 114th year of Service

Source/RSB- The Punjab Mail, one of the earliest trains in Indian Railways, which continues to cater to people, will enter its glorious 114th year on 1st June 2025. It will complete 113 years of service to its esteemed passengers.

The Journey

- The Punjab Mail first steamed out on 1st June 1912 from the Ballard Pier Mole station, which at the time was a hub for GIPR (Great Indian Peninsula Railway) services.
- The train used to run on fixed mail days from Bombay's Ballard Pier Mole station all the way to Peshawar, covering a distance of 2,496 km in approximately 47 hours.
- The train's route ran predominantly over the GIPR track and passed through major cities like Itarsi, Agra, Delhi, and Lahore before terminating at Peshawar Cantonment.
- In 1914, the service shifted to originate and terminate at Bombay VT (now Chhatrapati Shivaji Maharaj Terminus, Mumbai) and became a daily service covering the 1,541 km Bombay-Delhi GIPR route in 29 hours and 30 minutes.
- By the early 1920s, this transit time was reduced further to 27 hours and 10 minutes.
- However, in 1972, the travel time was extended back to 29 hours with added stoppages.
- Today, the Punjab Mail covers a distance of 1,928 km between Mumbai and Firozpur Cantonment in 33 hours and 35 minutes,

halting at 52 stations en route.

Coaches & Traction Over the Years

- The train originally consisted of six coaches: three for passengers and three for postal goods & mail. The three passenger coaches carried approximately 288 passengers.
- In the mid-1930s, Illrd class coaches were introduced.
- In 1945, air-conditioned coaches were introduced.
- In 1968, the train was dieselized up to Jhansi and later extended from Jhansi to New Delhi by 1976, and finally to Firozpur.
- By the late 1970s/early 1980s, dual-current locomotives (WCAM-1) were used to run the train on electric traction up to Igatpuri, with a traction changeover for its further journey.
- The conventional coaches of Punjab Mail were replaced with LHB coaches, and the train started running with LHB coaches from 1st December 2020 onwards.
- The train is now electric-hauled, and its restaurant car has been replaced by a pantry car.

Currently, the train runs with an occupancy of more than 250% and includes:

- 1 AC First Class cum AC-2 Tier
- 2 AC-2 Tier
- 6 AC-3 Tier
- 6 Sleeper Class
- 4 General Second Class coaches
- 1 Generator van
- 1 SLR (Second Luggage and Guard van)

An Integrated Engineering and Construction Company With 405 projects in India and 130 projects across the globe in 25 countries IRCON has proved its credentials in the field of infrastructure development.

Source/RSB- IRCON INTERNATIONAL LIMITED (IRCON), a Navratna Central Public Sector Undertaking incorporated by the Government of India (Ministry of Railways) in 1976, is the leading turnkey construction company known for its quality, commitment and consistency in terms of performance. The Company's expertise and professional approach to work not only widened its horizons of work, but also propelled it to traverse the physical boundaries of the country. IRCON is actively participating in the infrastructure building efforts of several Asian and African countries. In the year 2024-25, the Company has registered a total income of ₹ 11,131 Crore.



Core Competence Areas

- Railways
- Tunnels
- Bridges & Flyovers
- Highways & Expressways
- OHE Sub-stations
- Electrical and Mechanical
- Signaling & Telecom
- High Speed Rail
- Dedicated Freight Corridor
- Development of Industrial areas
- Commercial, Institutional & Residential properties
- Metro Rail
- Runways
- Aircraft Hangars
- Wet Leasing of Locomotives

- Healthy profit margins & comfortable liquidity position with its IVRPL Credit Rating of IVR AAA/ Stable/IVR A1+ for Long & Short-Term Bank Facilities. Continuously profit making company since its inception.
- Conferred with several awards in the year 2024-25, including 15th CIDC Viswakarma Award 2024 for Mokama Rail Bridge Project for Category Construction Health, Safety & Environment, Dun and Bradstreet award for 'Contract & Construction and Tech. Consultancy Services (Central PSU)' Category, 232th rank in the list of Top 250 International Contractors published by ENR Survey 2024 and 207th rank in the list of Top 250 Global Contractors published by ENR Survey 2024.



IRCON Secured a Prestigious ₹1,068 Crore Rail Bridge Project from East Central Railway

Source/RSB- IRCON International Limited has been awarded a landmark Railway Infrastructure project by East Central Railway, involving the construction of a 4.090 km long rail bridge between Bikramshila and Katareah stations in Bihar. Project cost is ₹1,068.34 crores with a completion period of 1,460 days. This bridge is a crucial element of a new railway line designed to enhance connectivity across the region. Bridge features a structural configuration comprising of 2 spans of 32.086 meters and 33 spans of 122.00 meters Open Web Girder (OWG). This reflects



IRCON's technical expertise & capability in Executing Large-Scale, Complex Engineering Projects. Strategically located, the Bridge is expected to play a transformative role in Strengthening Bihar's Transportation Infrastructure, facilitating both Passenger and Freight movement, and Promoting Regional Economic Development. This project reinforces IRCON's commitment to build World-Class Infrastructure that Connects Communities and Drives Progress.



GM/SCR Shri Arun Kumar Jain Inaugurates New Facilities at Central Railway Hospital, Lalaguda



Source/RSB- Shri Arun Kumar Jain, General Manager, South Central Railway, inaugurated a series of upgraded healthcare facilities at the Central Railway Hospital, Lalaguda. The key highlights of the inauguration included the launch of the Dhanvantari Special Ward, installation of a dedicated ramp and lift for better accessibility, and newly developed Dhanvantari Special Ward Rooms designed to enhance patient care and comfort. Senior railway officials, medical personnel, and hospital staff were present during the event. The new facilities mark a significant step forward in improving healthcare infrastructure for railway employees and their families. Speaking on the occasion, Shri Jain emphasized the importance of providing quality medical services and reaffirmed SCR's commitment to the well-being of its workforce through consistent infrastructure development.

RITES and Hindustan Copper Ltd Sign MoU to Strengthen Critical Minerals Supply Chain

Source/RSB- In a significant step towards self-reliance in the critical minerals sector, RITES Ltd has signed a Memorandum of Understanding (MoU) with Hindustan Copper Ltd (HCL). The partnership aims to jointly undertake projects focused on developing a resilient and sustainable supply chain for essential minerals & metals. By leveraging RITES' expertise in transport infrastructure & HCL's proficiency in mineral exploration and mining, the collaboration seeks to unlock the potential of indigenous resources. This strategic alliance is expected to bolster the



nation's industrial capabilities and support its long-term economic growth through enhanced resource security.

Implementation Of Kavach System In Ser

Source/SER- In a significant step towards enhancing safety of train service over South Eastern Railway, a proposal for implementation of the Kavach system worth Rs. 324.54 crore has been sanctioned. The project aims to provide an additional layer of safety on the railway network. The Kavach system, an anti-collision technology, will be installed over 525 Route Kilometers (RKM) and 136 locomotives as a part of the SER

Kavach balance works. On completion of the above balance work, the project is expected to achieve:

- 100% of Kavach coverage across South Eastern Railway
- Complete protections from collisions and signal violations
- Major lead towards zero accident rail networks.